संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 98
पृष्ठ 8
गुरुवार
25 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सूखी हुई तुलसी को हरा-भरा कैसे....
विचार- काम का अधिकार कम न हो, उलटे ...
खेल- 15 साल बाद टूर्नामेंट में वापसी कर...

अब यूपी बताता है कि सुधर जाओ: सीएम योगी

● बोले- नहीं सुधरे तो यमराज के दरवाजे खुले हैं, कभी भी बुलावा आ जाएगा

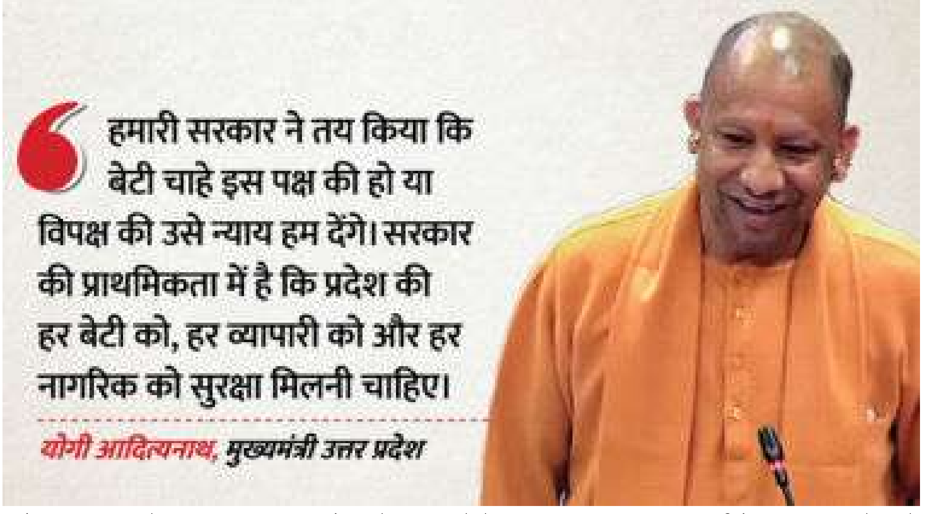

लखनऊ, संवाददाता। आज यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र का चौथा और आखिरी दिन है। सीएम योगी ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा—हमें खुशी है कि हमने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्यों की सूची से बाहर निकाला है। आज प्रदेश में व्यापारियों से गुंडा टैक्स नहीं लिया जाता है। आज अगर कोई गुंडा किसी बेटी को छेड़ता है तो वो जानता है कि जल्द ही यमराज का बुलावा आ जाएगा। अगर आबादी की भूमि पर या किसी सरकारी भूमि पर कोई माफिया कब्जा करके उसपर मॉल बनाकर, या वसूली का अड्डा बनाकर उसके माध्यम से अनैतिक, अवैध गतिविधियों का संचालन करके कोई छांगुर जैसा व्यक्ति वहां अनैतिक गतिविधियों का संचालन करेगा तो बुलडोजर भी चलेगा, उसको कोई रोक नहीं सकता। मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर हमला करते हुए कहा— हमने योजनाओं में जो लूट थी उसे रोका। सपा के लोग इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करते हैं। बड़े—बड़े दावे करते हैं। जेपीएनआईसी पौने दो सौ करोड़ का प्रोजेक्ट था 860 करोड़ खर्च हो जाने के बाद भी अधूरा है। गोमती रिवर फ्रंट 167 करोड़ का प्रोजेक्ट था 1400 करोड़ खर्च हो गए तब भी अधूरा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के सिविल वर्क के लिए 15 हजार 200 करोड़ रुपये तय किए गए थे हमने वहीं एक्सप्रेस वे 11 हजार 400 करोड़ रुपये में पूरा करके दिखा दिया। यही सपा के समय इंफ्रास्ट्रक्चर की सच्चाई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा— यूपी में दंगा और अराजकता नहीं है। दंगे का उपचार क्या है? इस बारे में बरेली के मौलाना से पूछ लीजिए। यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा। अब सब कुछ चंगा है। आपकी पार्टी से सदस्य चुनी गईं पूजा पाल को आपने न्याय नहीं दिलाया। क्योंकि, आपमें हिम्मत नहीं थी। माफिया के सामने झुकना मजबूरी थी। आप उन गुंडों और माफिया के सामने एक गरीब बेटी को न्याय नहीं दे पाए। क्या वो पीडीए की पार्ट नहीं थीं। बेटी चाहे उस पक्ष की या हमारे पक्ष की, हर हाल में न्याय मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा—तुष्टिकरण की नीति के कारण ही पाकिस्तान और बांग्लादेश का निर्माण हुआ। बांग्लादेश में एक दलित हिंदू को पीटकर मार दिया गया लेकिन जो लोग गाजा पट्टी पर आंसू बहाते थे उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला क्योंकि उन लोगों के लिए दलित, किसान और महिलाएं सब एक वोट बैंक हैं। तुष्टिकरण की नीति के कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ है। अगर विभाजन न होता तो हिंदुओं पर अत्याचार न होता। जब हम लोग बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों और रोहिंग्याओं का निकालेंगे तो यही लोग आंसू बहाएंगे क्योंकि इनमें से कई तो इन लोगों के वोट बैंक होंगे।

कुलदीप सिंह सेंगर की बेल पर भड़के राहुल गांधी, कहा-

हम एक 'मृत समाज' बनते जा रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत मिलने के बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे निराशाजनक और शर्मनाक बताया और पीड़िता के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे दावा किया कि भारत न केवल एक मृत अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के कारण एक मृत समाज भी बनता जा रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, ष्क्या सामूहिक बलात्कार पीड़िता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है? क्या न्याय के लिए आवाज उठाने का साहस दिखाना उसकी श्गलतीश है? उसके अपराधी (पूर्व भाजपा विधायक) को जमानत मिलना बेहद निराशाजनक और शर्मनाक है, खासकर तब जब पीड़िता को बार—बार परेशान किया जा रहा है और वह डर के साये में जी रही है। गांधी ने चेतावनी देते हुए कहा, बलात्कारियों को जमानत और पीड़ितों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार – यह किस तरह का न्याय है? उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमज़ोर करते हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आगे टिप्पणी की कि इस तरह की घटनाएं न केवल संस्थागत विफलता बल्कि गहरे नैतिक पतन का संकेत देती हैं। एक्स पर पोस्ट में लिखा था कि हम न केवल एक मृत अर्थव्यवस्था बनते जा रहे हैं, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के कारण हम एक मृत समाज में भी तब्दील होते जा रहे हैं। लोकतंत्र में असहमति की आवाज उठाना एक अधिकार है और उसे दबाना एक अपराध है। पीड़िता को सम्मान, सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए – न कि बेबसी, भय और अन्याय। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि जब उन्हें और उनकी दो बेटियों को सीआरपीएफ के वाहन में ले जाया जा रहा था, तो उन्हें अचानक सड़क किनारे उतार दिया गया और सुरक्षा गार्ड उनकी बेटियों को अपने साथ ले गए।

आप को बड़ा झटका, चंडीगढ़ महापौर चुनाव से पहले दो पार्षद भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) की दो पार्षदों ने बुधवार को चंडीगढ़ महापौर चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। सुमन देवी और पूनम देवी ने जनवरी में होने वाले महत्वपूर्ण चुनावों से पहले अपनी निष्ठा बदली। ऐसी अटकलें हैं कि दोनों पार्षद आज पंचकुला में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सकती हैं। इसे भगवा पार्टी के पक्ष में एक बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है, क्योंकि वह चंडीगढ़ में

महापौर पद पर पुनः नियंत्रण पाने के प्रयास कर रही है। भाजपा की हरप्रीत कौर बाबला चंडीगढ़ की मौजूदा महापौर हैं। उन्होंने 19 वोट हासिल करके चुनाव जीता। क्रॉस—वोटिंग के एक उल्लेखनीय उदाहरण के बाद बाबला को आम आदमी पार्टी—कांग्रेस गठबंधन से आगे निकलने में मदद मिली, जिसे केवल 17 वोट ही मिल सके। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज पंचकुला में कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मौजूद हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उनके दौरे से पहले, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को उन कार्यक्रमों की अंतिम तैयारियों की समीक्षा की, जिनमें शाह को भाग लेना है। सैनी ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी हो चुकी हों। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ नगर निगम का मेयर घोषित कर दिया था, जिससे पिछले नतीजे पलट गए थे, जिसमें भाजपा उम्मीदवार को पहले विजेता घोषित किया गया था। यह फैसला पिछले साल 20 फरवरी को आया था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब मेयर चुनाव के पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह को कैमरे पर आप—कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में आठ मतपत्रों को अमान्य घोषित करते हुए देखा गया।

अमित शाह का ऐलान : भारत टैक्सी शुरू करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार जल्द ही 'भारत टैक्सी' सेवा शुरू करेगी, जिसके तहत लाभ का कुछ हिस्सा चालकों के साथ साझा किया जाएगा। पंचकुला में सहकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों की सुविधा में सुधार के साथ—साथ चालकों की आय में वृद्धि करना है। अमित शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की पहल के माध्यम से, हम जल्द ही श्भारत टैक्सीश शुरू करेंगे, जिसका पूरा लाभ चालक भाइयों को मिलेगा। इससे ग्राहकों की सुविधा बढ़ेगी और चालकों का लाभ भी बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा के राष्ट्र—उन्मुख योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और खेल जगत में उत्कृष्टता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने देश की खाद्य सुरक्षा और खेल उपलब्धियों में निरंतर योगदान दिया है, और राज्य के किसानों ने कई मोर्चों पर देश को गौरवान्वित किया है। शाह ने कहा कि हरियाणा ने हमेशा देश की खाद्य सुरक्षा और दुग्ध उत्पादन में योगदान दिया है और खेल के क्षेत्र में देश को कई पदक दिलाए हैं। चाहे कोई भी मोर्चा हो, हर मोर्चे पर हरियाणा के किसानों ने गर्व से भारत का तिरंगा फहराया है। शाह ने खाद्यान्न उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक पहचान हासिल करने के लिए हरियाणा और पंजाब दोनों की सराहना की।

जी राम जी विधेयक पर भड़के प्रियांक खरगे, कहा- इस लड़ाई को कानूनी रूप से आगे बढ़ाएंगे

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी—जी आरएएम जी) अधिनियम के खिलाफ देशव्यापी सामूहिक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह विधेयक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को कमजोर करता है और सामाजिक न्याय की नींव पर प्रहार करता है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, ष्ग्रामीण विकास और रोजगार गारंटी विभाग ने दिल्ली में देश भर से 80 से अधिक प्रतिभागियों के साथ एक महत्वपूर्ण गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया, जिनमें नागरिक अधिकार समूह, अर्थशास्त्री, प्रोफेसर, समाजशास्त्री, वकील, पूर्व न्यायाधीश, गैर सरकारी संगठन और एमजीएनआरईजीए कार्यकर्ता शामिल थे। खरगे ने आगे कहा कि हम वीबी—ग्राम जी विधेयक और ग्रामीण आजीविका पर इसके प्रभाव का विरोध करने के लिए एक साथ आए थे। खरगे ने एमजीएनआरईजीए के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एमजीएनआरईजीए एक ऐसी गारंटी थी जिसने ग्रामीण परिवारों को आत्मविश्वास, सम्मान और स्थिरता प्रदान की। इसे कमजोर करना सामाजिक न्याय की नींव पर प्रहार है।

29 को केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे किसान

नई दिल्ली, एजेंसी। किसान मजदूर मोर्चा भारत ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) में मोदी सरकार द्वारा किए गए हालिया विधायी परिवर्तनों की कड़ी आलोचना की है। उनका आरोप है कि नई नीतियों का उद्देश्य देशभर में एमजीएनआरईजीए श्रमिकों को रोजगार से वंचित करना है। मोर्चा का तर्क है कि डीडीपीओ कार्यालयों और पंचायतों से कार्यान्वयन शक्तियां छीनकर केंद्र सरकार कार्य अनुमोदन पर अपना नियंत्रण केंद्रीकृत कर रही है।

अवकाश

क्रिसमस के शुभ अवसर पर प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 27 दिसम्बर को प्रकाशित होगा।

–व्यवस्थापक

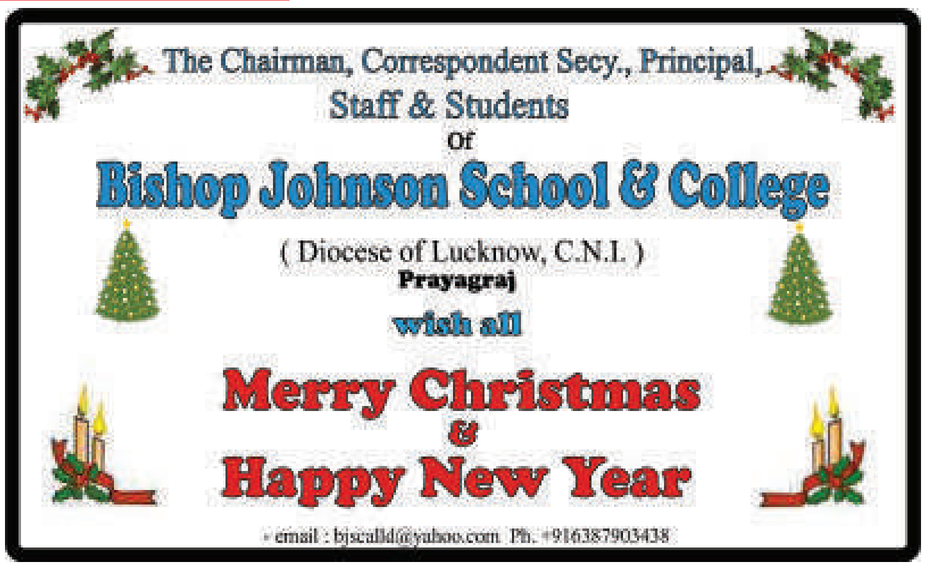

'जिला कॉन्फ्रेंस 'प्राजक्ता' के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद द्वारा 11 चलित दुकानों का वितरण

प्रयागराज। 24 दिसंबर 2025 को आयोजित इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 312 की जिला कॉन्फ्रेंस "प्राजक्ता" के अवसर पर

इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद द्वारा एक महत्वपूर्ण सामाजिक परियोजना के अंतर्गत
11 चलित दुकानों का वितरण किया जाएगा।
यह कार्यक्रम यशवंत विला में आयोजित होगा।

चलित दुकानों का उद्घाटन एवं वितरण एसोसिएशन प्रेसिडेंट इनर व्हील 312,ज्योति महिपाल जी के कर–कमलों द्वारा किया जाएगा।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट 312 की जिला अध्यक्ष प्रिया नारायण की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

साथ ही इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद की प्रेसिडेंट नूपुर कपूर, सेक्रेटरी शालिनी अग्रवाल, एडिटर आरती अग्रवाल, आईएसओ नेहा कक्कड़, जोनल हेड तान्या ढल कोऑर्डिनेटर गीता चतुर्वेदी एवं क्लब की अनेक सदस्याएं कार्यक्रम में सम्मिलित रहेंगी।

इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद की यह परियोजना स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय एवं प्रभावशाली पहल है, जिससे लाभार्थियों को सम्मानजनक आजीविका का अवसर प्राप्त होगा।

प्रयागराज डीएम ने सतुआ बाबा के कैंप में पकाई रोटी

प्रयागराज (संवाददता)। माघ मेला लाखों–करोड़ों श्रद्धालुओं, साधु–संतों के लिए तो आस्था का केंद्र है ही, यहां आकर बड़े अफसर भी इसी रंग में रंग जाते हैं। एक ऐसा ही वाकया माघ मेला क्षेत्र में हुआ, जिसका वीडियो पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। मेला क्षेत्र में बने संतोषदास जी महाराज षतुआ बाबा' के कैंप में पहुंचकर डीएम मनीष कुमार वर्मा भी भक्ति व सेवा के रंग में रंगे नजर आए। उन्होंने खुद चूल्हे पर रोटी पकाई। यह वीडियो बुधवार का बताया जा रहा है। इस वीडियो में डीएम के साथ सतुआ बाबा और मेलाधिकारी ऋषि राज नजर आ रहे हैं। वीडियो मेला क्षेत्र के खाक चौक स्थित सतुआ बाबा के शिविर का बताया जा रहा है। डीएम, मेलाधिकारी व अन्य अफसर दोपहर तीन बजे के करीब यहां साधु–संतों से मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान वहां रोटी बन रही थी। इस पर डीएम ने खुद हाथों में चिमटा ले लिया और तवे पर चढ़ी रोटी पकाने लगे। डीएम जहां रोटी सेंकते दिखाई पड़ते हैं, वहीं सतुआ बाबा डीएम के ठीक पीछे बैठे मेलाधिकारी से बातचीत करते दिखाई देते हैं। फिलहाल यह वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में सतुआ बाबा ने बताया कि डीएम व मेलाधिकारी कैंप में आए थे। उन्होंने साधु–संतों से कुशलक्षेम पूछा और व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। वह भक्ति और सेवाभाव से ओतप्रोत दिखाई दिए। उन्होंने संतों के लिए चूल्हे पर रोटी भी पकाई।

पान विक्रेता को किडनैप कर एक लाख की फिरौती मांगी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एक पान विक्रेता को अगवा कर एक लाख फिरौती मांगी गई। रात में सफारी गाड़ी से उसे अगवा कर लिया गया और फिर अगले दिन रुपए मिलने पर छोड़ा गया। पुलिस ने इस मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है और उनके चार साथियों की तलाश चल रही है। पकड़े गए बदमाशों में राजकुमार यादव उर्फ यदुवंशराज, राजा यादव और प्रेम कुमार शर्मा शामिल हैं। इन्हें थरवई में धरमपुर घुरवा से हेतापट्टी मार्ग स्थित बाग के पास से गिरफ्तार किया गया। इनसे फिरौती के 61,000 रुपए और घटना में प्रयुक्त टाटा सफारी कार बरामद की गई। 18 दिसंबर को शाम करीब 08. 00 बजे थाना थरवई के राम नगर बाजार में पान के दुकानदार अभयराज कुशवाहा निवासी ग्राम मेडुआ थाना थरवई को टाटा सफारी सवार कुछ अज्ञात लोग जबरदस्ती अपने गाड़ी में बिठा लिया गया। छोड़ने के लिये 01 लाख रुपये फिरौती की मांग की गई। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार बदमाशों ने बताया कि राजा यादव के बच्चे की बीमारी के इलाज में काफी पैसा खर्च हो गया था। वह काफी कर्ज में आ गया था और उसने अपने साथी राजकुमार, आनन्द, सुनील व मनोज को अपनी समस्या के बारे में बताया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0: पीआरवाईजे-सिग-036-2025-26 दिनांक : 22/12/2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 23-01-2026 को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

कार्य का विवरण : प्रयागराज मण्डल मे स्टेशन, ड्राइवर और गार्ड के मध्य संचार के लिए 25 वाट वीएचएफ सेटो मे वॉयस रिकार्डिंग सुविधा का प्रावधान।

अनुमानित मूल्य (₹) : 5,15,45,952/- **बिड सिक्योरिटी (₹) :** 4,07,700/-

निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : 0/- **कार्य समापन की अवधि :** 06 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 23.01.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।

बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्योरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्योरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्योरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिए। बैंक गारंटी जमा करते समय यह 30का स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्योरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक।

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

उसी प्रकृति के कार्य के लिए न्यूनतम : एनी वर्क इनवाल्विंग प्रोविजन आफ वॉयरलेस कम्यूनीकेशन / सिक्योर्ड कम्यूनीकेशन / वाई-फाई कम्यूनीकेशन। 2480/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

प्रयागराज में पति ने पत्नी के प्रेमी का गला काटा

बेटे के साथ मिलकर कुएं में लाश फेंकी, दोनों को मिलते हुए देख लिया था

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में पति ने चाकू से गला रेत कर अपनी पत्नी के शादीशुदा बॉयफ्रेंड की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को अपने बेटे के साथ मिलकर घसीटते हुए 500 मीटर दूर कुएं तक ले गया। शव को कुएं में फेंककर दोनों वहां से चले गए। हत्या के तीन बाद मंगलवार को युवक का शव बरामद हुआ।

सुशील कुमार, मृतक

शव मिलने के बाद पूरी साजिश उजागर हो गई। पुलिस ने आरोपी पिता और बेटे को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल किया है। पूछताछ में आरोपी बताया कि युवक सुशील कुमार का उसकी पत्नी के साथ अफेयर चल रहा था। कई बार समझाने के बाद भी वह मान नहीं रहा था।

एक दिन मैंने उसे अपने घर में अपनी पत्नी के साथ पकड़ लिया। तभी मैंने सुशील कुमार का मारने का प्लान बना लिया था और सुनसान इलाके में देखकर उसका काम तमाम कर दिया। पूरा मामला खीरी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर आठ शहीद नगर का है।

अब जानिए पूरा मामला....

खीरी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर आठ शहीद नगर में रहने वाले सुशील कुमार उर्फ मुंडे (28) का 19 दिसंबर से लापता था। परिजनों ने थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। साथ उसकी तलाश शुरू कर दी। उसकी तलाश चल ही रही थी, तभी मंगलवार को चांद खमरिया कटरा मौजा गांव स्थित एक कुएं में शव उतराता हुआ दिखाई दिया।

खमहरिया के रहने वाले चौकीदार पारस ने 112 नंबर पर इसकी सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया। शव की पहचान सुशील उर्फ मुंडे के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने मामले की जानकारी सुशील के परिजनों को दी।

परिजनों से पूछताछ और जांच में पता चला कि सुशील कुमार का खीरी थाना क्षेत्र की ही रहने वाली एक 40 साल की महिला से अवैध संबंध था। पुलिस ने इस एंगल से जांच करते हुए महिला के पति सूर्य लाल को पकड़ा। कड़ाई से पूछताछ में सूर्य लाल ने पूरी कहानी बता दी।

मेरे पत्नी से अवैध संबंध थे– आरोपी सूर्य लाल

आरोपी सूर्य लाल ने कहा– मैं सुशील दोनों एक साथ शराब की दुकान पर काम करते थे। इस दौरान हमारी दोस्ती हो गई। घर आना–जाना भी होने लगा। सुशील मेरी पत्नी को गलत नजर से देखता था। फिर धीरे–धीरे उसने मेरी पत्नी से नजदीकियां बढ़ा लीं।

4 महीने से सुशील चोरी–छिपे मेरे पत्नी से मिलने मेरे घर जाने लगा। मुझे इसका पता चला तो मैंने दोनों समझाया। लेकिन इसके बाद भी वह नहीं माने। तभी मैंने सोच लिया कि इसे मारना है।

आरोपी सूर्य लाल ने कहा– 19 दिसंबर को रात में सुशील कुमार मेरी पत्नी से मिलने मेरे गया। इसी दौरान मैं भी अपने घर पहुंच गया। मुझे देखकर सुशील भागने लगा। मैंने उसका पीछा किया। भागते समय सुशील एक चट्टान के पास फिसलकर गिर गया।

चाकू से गर्दन रेती, तड़प–तड़पकर मौत हो गई

सूर्य लाल ने कहा– मैंने उसे पकड़ लिया। कुछ देर तक हमारा हाथापाई होती रही है। फिर पास में पड़ी चाकू उठाकर मैंने सुशील की गर्दन रेत दी। उसकी बहुत खून निकल रहा था। वह तड़प रहा था। कुछ देर में ही सुशील की मौत हो गई।

इसके बाद मैंने अपने 18 साल के बेटे अंकित को बुलाया। फिर हम दोनों ने शव को घसीटते हुए ले जाकर कुएं में फेंक दिया, ताकि किसी को इसका पता न चले। सुशील को लापता समझकर उसके घरवाले उसे ढूंढते रहें।

आरोपी पिता–पुत्र गिरफ्तार, चाकू बरामद

डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि पूछताछ के दौरान सूर्य लाल और उसके बेटे अंकित ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया गया है। इस हत्याकांड में महिला की भूमिका की जांच की जा रही है।

मृतक सुशील तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था और एक बच्चे का पिता था। घटना के बाद से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव और मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है।

जमानत कराने जा रहे कहकर घर से निकला था

सुशील कुमार के भाई सतीश कुमार ने कहा– सुशील 19 दिसंबर की सुबह घर से निकला था। उसने कहा था कि वह पड़ोस में रहने वाले युवक के साथ जा रहा था। उसकी जमानत करानी थी। इसके बाद वह शाम तक वापस नहीं लौटा।

सतीश ने बताया कि 20 दिसंबर को उन्होंने कोरांव थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। साथ ही परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। 23 दिसंबर को उसका शव एक कुएं में मिला है।

आरोपी पिता–पुत्र गिरफ्तार, चाकू बरामद

डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि पूछताछ के दौरान सूर्य लाल और उसके बेटे अंकित ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उनकी निशानदेही पर हत्या में उपयोग चाकू भी बरामद कर लिया गया है। इस हत्याकांड में महिला की भूमिका की जांच की जा रही है।

सुशील तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था और एक बच्चे का पिता था। घटना के बाद से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव और मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है।

प्रयागराज में 12वीं के छात्रों ने काफिला निकाला

100 से ज्यादा वीआईपी गाड़ियां शामिल, रील बनाई...स्टंट किए, नियमों की उड़ाई धज्जियां

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एक निजी स्कूल में पढ़ने वाले 12वीं कक्षा के छात्रों ने फेयरवेल पर काफिला निकाला। इस काफिले में 100 से अधिक गाड़ियां शामिल हुईं। काफिले में शामिल हुई सभी गाड़ियां VIP हैं। कुछ गाड़ियों में पॉलिटिकल झंडा, कुछ में लाल और नीली बत्ती तो कुछ में VIP नंबर लगे हैं।

वहीं, छात्र इन गाड़ियों पर स्टंट करते रहे। इसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में छात्र गाड़ियों के दरवाजों पर लटककर रील बनाते और सड़कों पर स्टंट करते दिखाई दे रहे हैं। हाईस्पीड में चल रही गाड़ियों के कारण शहर के कई प्रमुख चौराहों पर जाम की स्थिति बन गई।

कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह से अस्त–व्यस्त हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह वीडियो कब का है।

काफिला शहर के केपी ग्राउंड तक पहुंचा। जहां सभी गाड़ियों को एक साथ खड़ा कर खतरनाक स्टंट किए गए और वीडियो बनाए गए। एक साथ 100 से अधिक गाड़ियों के स्टंट से वहां मौजूद लोगों ने आलोचना की और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए।

हैरानी की बात यह है कि की ये स्टूडेंट अभी नाबालिग हैं और महज 12वीं क्लास में हैं। बेखौफ बिना लाइसेंस के सड़कों पर स्टंटबाजी कर रहे हैं। सबसे रोचक बात यह की काफिले में शामिल सभी गाड़ियां VIP हैं। कुछ गाड़ियों में पॉलिटिकल झंडा, तो कुछ में लाल नीली बत्ती और कुछ में VIP नंबर लगे हैं। सायरन की आवाज के साथ सड़कों पर स्टंट कर रहे हैं।

बेखौफ होकर किए गए इस स्टंट ने न सिर्फ यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासन की भूमिका को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। अब देखना होगा कि वायरल वीडियो के आधार पर जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई की जाती है।

DCP सिटी मनीष शांडिल्य ने कहा की वायरल विडियो के आधार पर जांच की जा रही है। CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं,कार्रवाई की जाएगी।

एक्सीडेंट के बाद प्रिंसिपल की कार से टैबलेट-कैश चोरी

प्रयागराज में थाने जाने पर पुलिस ने टरकाया, रिसीविंग तक नहीं दी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में हंडिया के अपर प्राइमरी स्कूल की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका नीता तिवारी की कैब से दुर्घटना के बाद सरकारी टैबलेट, 15,000 नकद, बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम कार्ड और सरकारी दस्तावेज उड़ा दिए गए। आरोप है कि थाना जॉर्जटाउन में लिखित शिकायत देने के बावजूद पुलिस ने न तो तत्काल कार्रवाई की और न ही प्रार्थना पत्र की रिसीविंग दी। घटना 23 दिसंबर की शाम करीब 5रु15 बजे की है। भुक्तभोगी ने बताया, मैं कैब से घर लौट रही थी। जैसे ही गाड़ी सीएमपी डिग्री कॉलेज और पेट्रोल पंप के सामने पहुंची, अचानक एक बुलेट सवार कैब के सामने आ गया। चालक ने तुरंत ब्रेक लगाकर वाहन रोक लिया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। हादसे के बाद बुलेट सवार युवक और कैब चालक के बीच कहासुनी होने लगी, जिससे मौके पर भीड़ जुट गई। स्थिति को शांत कराने के लिए वह कैब से उतरकर बीच–बचाव करने लगीं। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर कैब में रखा सामान किसी ने गायब कर दिया। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी जब सामान नहीं मिला तो प्रधानाध्यापिका थाना जॉर्जटाउन पहुंचीं और लिखित शिकायत दी। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने

शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की और प्रार्थना पत्र की रिसीविंग देने से भी इंकार कर दिया। पीड़िता के अनुसार, मौके पर मौजूद रवि नामक पुलिसकर्मी से कई बार अनुरोध करने के बावजूद शिकायत की रिसीविंग नहीं दी गई। न ही कोई एक्शन लिया।

माघ मेले में 10 दिन शेष, अभी तैयारियां अधूरी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के माघ मेले में करीब 10 दिन शेष बचे हैं। तीन जनवरी यानी पौष पूर्णिमा से माघ मेले की शुरुआत हो जाएगी। ऐसे में तैयारियां अभी अधूरी है। यदि मेन संगम नोज की बात की जाए तो यहां अभी जमीन समतलीकरण कार्य तक नहीं हो पाया है। जेसीबी लगाकर कार्य कराया जा रहा है। यही स्थिति बिजली विभाग का भी है। संगम नोज पर बिजली का कार्य चल रहा है। वहीं अभी साधु संत जमीन आवंटन के लिए ही आए दिन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। अफसर भले ही 90% कार्य पूरा करने का दावा कर रहे हैं लेकिन हकीकत यह है कि यदि इसी गति से काम चलता रहा तो तीन जनवरी तक कार्य पूरा संभव नहीं हो पाएगा।

जबकि पिछले महीने जब मुख्यमंत्री यहां मेला कार्यों के लिए समीक्षा बैठक करने पहुंचे थे उन्होंने 15 दिसंबर तक ही काम पूरा करने का निर्देश सभी विभागों को दिया था। स्थिति यह है कि मेला प्राधिकरण कार्यलय में बड़ी संख्या में विभिन्न संस्थाओं के लोग व साधु संत अभी जमीन आवंटन के लिए चक्कर लगा रहे हैं। जिन्हें जमीन मिल गई है वह सुविधा पाने के लिए अफसरों के पास पहुंच रहे हैं। यही कारण है कि उत्तराखंड पीठाधीश्वर जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीकृष्णाचार्य जी महाराज को शिविर लगाने के लिए जमीन आवंटित नहीं किया था। इस पर आचार्य गोपाल महराज के नेतृत्व में सोमवार को बडी संख्या में शिष्यों ने मेला प्राधिकरण कार्यालय पर धरना प्रदर्शन भी किया था। मेला प्रशासन के अफसरों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की थी। कहा गया कि अभी तक उन्हें भूमिका आवंटन नहीं किया गया है। वर्ष 2024 के माघ मेले की अपेक्षा इस बार के माघ मेले का दायरा ज्यादा बड़ा होने वाला है। 32 हेक्टेयर ज्यादा जमीन पर यह मेला बसने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इसकी घोषणा की है। 2024 का माघ मेला करीब 768 हेक्टेयर में बसा था लेकिन इस बार यह बढ़ाकर 800 कर दिया गया है। यही कारण है कि इस बार मेले को 7 सेक्टर में बांटा जा रहा है। मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई गई है।

मुलायम सिंह यादव की स्मृति में कैंप लगाने की मांग

प्रयागराज (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की स्मृति में माघ मेला 2026 में कैंप लगाने की मांग को लेकर सपा कार्यकर्ताओं ने मेला प्राधिकरण के गेट पर धरना दिया। दो घंटे के संघर्ष के बाद प्रशासन ने भूमि आवंटन का आश्वासन दिया।

महाकुंभ में सपा कार्यकर्ताओं ने मुलायम सिंह यादव की मूर्ति स्थापित कर कैंप लगाया था। जहां पूरे दो महीने भंडारा चला था। इस परंपरा को जीवंत रखने के लिए इस साल भी माघ मेला के लिए उन्होंने दोबारा आवेदन किया। लेकिन मेला प्रशासन ने आवेदन निरस्त कर दिया। सपा नेता संदीप यादव मेला प्राधिकरण जाने की कोशिश में जुटे। प्रशासन ने पहले उनके घर के बाहर रोका। किसी तरह जब वह मेला प्राधिकरण पहुंचे तो गेट पर ही पुलिस ने दलबल के साथ उन्हें रोक लिया। इस दौरान पुलिस और सपा कार्यकर्ता के बीच झड़प हुई। इस बीच कार्यकर्ता गेट पर ही धरने पर बैठ गए। सपा नेता संदीप यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव हमारे नेता हैं। हम हर साल उनकी याद में मेले में शिविर लगाते हैं। इस बार हमें जमीन न देना, यह सरकारी तंत्र की साजिश है। मांग न मानी गई तो बड़ा आंदोलन करेंगे। सपा कार्यकर्ताओं का साफ कहना था कि यह उनकी धार्मिक–सामाजिक परंपरा है, जिसे रोकना अन्याय है। दो घंटे के धरने के बाद मेला प्रशासन ने भूमि आवंटन की मांग स्वीकार कर ली। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मेला में जमीन दी जाएगी। इसके बाद सपा कार्यकर्ताओं ने धरना समाप्त कर दिया। जिसके बाद सपा नेता ने कहा कि हमारी मांग पूरी हुई। नेता जी की स्मृति में भव्य कैंप लगेगा।

बांग्लादेशी झंडे को कुचला, मोहम्मद यूनुस का पुतला दहन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का पुतला फूंका और बांग्लादेशी झंडे को पैरों से कुचला। यह प्रदर्शन 18 दिसंबर को दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या के विरोध में किया गया। किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव (धुन्नु भैया) और महानगर अध्यक्ष राजेश सिंह पटेल के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने दीपू चंद्र दास की हत्या का विवरण दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 18 दिसंबर को उन्मादी भीड़ ने दीपू चंद्र दास को उसकी फैक्ट्री से पुलिस की मौजूदगी में बाहर खींचकर बेरहमी से पीटा। इसके बाद उसे नंगा कर पेड़ से लटकाया गया और आग के हवाले कर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि यह घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है, लेकिन बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अब तक दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में विफल रही है। किसान मोर्चा के नेताओं ने आरोप लगाया कि अमल चंद्र दास से लेकर दीपू चंद्र दास तक बीते तीन दशकों में लगभग दो दर्जन अल्पसंख्यक हिंदुओं की निर्मम हत्याएं की जा चुकी हैं, लेकिन अपराधियों को सजा नहीं मिल पाई है। नेताओं ने बांग्लादेश में जिहादी मानसिकता के तेजी से बढ़ने और हिंदुओं के प्रति नफरत को योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि एक समय बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी लगभग 23 प्रतिशत थी, जो अब घटकर मात्र 8 प्रतिशत रह गई है। इस स्थिति को गंभीर चिंता का विषय बताया गया। बीजेपी किसान मोर्चा ने भारत सरकार से मांग की है कि बांग्लादेश के खिलाफ कड़े कूटनीतिक कदम उठाए जाएं। उन्होंने भारत स्थित बांग्लादेश दूतावास को बंद करने और दोनों देशों के कर्मचारियों को वापस बुलाने की भी मांग की।

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति/प्रयागराज की बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

प्रयागराज। मंडल रेल प्रबंधकध्प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल की अध्यक्षता में मण्डल कार्यालय पर सरकारी कामकाज में हो रही राजभाषा हिंदी की प्रगति की समीक्षा करने के उद्देश्य से समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया । इस अवसर पर प्रयागराज मंडल पर आयोजित राजभाषा पखवाड़ा –2025 और विविध प्रतियोगिताओं यथा हिंदी निबंध, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, वाक् प्रतियोगिता के 18 विजेता कर्मचारियों सहित वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान हिन्दी का उत्कृष्ट प्रयोग– प्रसार करने वाले प्रयागराज मण्डल 15 कर्मचारी भी पुरस्कृत किए गए । इस बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक/इन्फ्रा सह अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री नवीन प्रकाशय अपर मंडल रेल प्रबंधकध्सामान्य, श्री दीपक कुमारय अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन, श्री मुबश्शिर वारिस सहित मंडल के सभी शाखाधिकारी मौजूद थे ।

बैठक की अध्ध्यक्षता करते हुए मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने मंडल पर हो रही राजभाषा प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है जिसे हम नैसर्गिक रूप में प्रकट कर सकते हैं। हिंदी भाषा को बोलने, लिखने, पढ़ने में हमें किसी प्रकार का संकोच नही होना चाहिए । राजभाषा हिंदी का सरकारी कामकाज में अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए पहले इसे हमें अपने दैनिक जीवन और व्यवहार में लाना होगा तभी राजभाषा हिंदी का प्रयोग–प्रसार बढ़ाया जा सकता है । कार्यालय में पत्रों, सारपृष्ठों, फाइलों पर प्रयोग किए जाने किए जाने वाले लघु आदेशात्मक वाक्यों तथा पदनाम आदि को अधिक से अधिक हिंदी में बनाया जाए । हिंदी को हमें स्वयं के कर्तव्य के रूप में प्रयोग करना चाहिए न कि किसी दबाव अथवा सुझाव के रूप में । मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने सभी शाखा प्रबंधकों को निदेश दिया कि सभी अधिकारी अपने निरीक्षण के दौरान हिंदी प्रगति का भी जायजा लें और पाई गई कमियों को दूर कराने हेतु ठोस कदम उठाएं । मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने पुरस्कृत कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुये भविष्य में और अधिक उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया ।

बैठक के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधकध्इन्फ्रा एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री नवीन प्रकाश ने प्रयागराज मंडल पर हो रही राजभाषा हिंदी की प्रगति से सभी शाखाधिकारियों को अवगत कराया । बैठक का संचालन सहायक मंडल वित्त प्रबंधक और राजभाषा अधिकारी श्री राजीव कुमार ने किया।

प्रो. आशुतोष कुमार सिंह को मिला सारस्वत सम्मान

प्रयागराज। बौद्धिक विचार मंच, ऊंचाहार की ओर से प्रयागराज बुक फेयर रायल गार्डेन में बुधवार को पुस्तक विमोचन एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. आशुतोष कुमार सिंह मुख्य अतिथि रहे। सबसे पहले संस्था अध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती ने प्रो. आशुतोष कुमार सिंह तथा डॉ. प्रशान्त शाण्डिल्य को सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया। इसके बाद योगगुरु धर्मचन्द्र रचित कविता संग्रह भूख और

भगवान का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने पुस्तक परिचर्चा करते हुए कहा कि कविता संग्रह में मानवीय संवेदना की गहरी छाप है। मानव मन की गहन पीड़ा व्यक्त है। देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती ने कहा कि कविता संग्रह में लोक परम्परा, सामाजिक जीवन का सजीव वर्णन है। दूसरे सत्र में रिंकी मिश्रा की सरस्वती वन्दना से कवि सम्मेलन की शुरुआत हुई। डॉ. तेज प्रकाश चतुर्वेदी ने पढ़ा सिया तेरे अद्भुत हैं श्रीराम। अमरेन्द्र सुहृद ने पढ़ा जीवन पाने का सबका आधार होता है। कमल नारायण शुक्ल ने पढ़ा जिसको वतन से प्यार है इंसान वही है। देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती की काव्य पंक्तियां दुल्हन को डोली कहारों ने लूटा, मेरी जिंदगी को किनारों ने लूटा, खूब सराही गई। संस्था महासचिव डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने संचालन किया। धर्मचन्द्र, निखिलेश, रिंकी मिश्रा, परिमल, प्रसून दीक्षित ने भी काव्यपाठ किया। हास्यकवि बिहारी लाल अंबर ने खूब हंसाया। डॉ.प्रशान्त शाण्डिल्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर कुंवर दीपक, डॉ. मीनाक्षी, वर्चस्वी, पुनीत, वजीर खान आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जिम्मेदार नागरिक बन पत्रकार ने मिट्टी से भरा गड्ढा

बाइक सवार दंपत्ति के साथ गड्ढे से हुआ हादसा

मथुरा। बलदेव के गांव पटलौनी में एक खरंजा पर करीब तीन फीट गड्ढे गहरे चौड़े गड्ढे में बाइक से जा रहे एक दंपत्ति शाम के समय गिर गए। जिनको ग्रामीणों ने उठाया जिनको मामूली चोट आई। तभी सूचना पर पहुंचे पत्रकार अतुल कुमार फावड़ा मंगा कर गड्ढे को भर दिया।

ग्राम पटलौनी के अतुल कुमार ने बताया कि वह पत्रकारिता करते हैं और इस समय उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट उपज, मथुरा के जिलाध्यक्ष हैं। उनके पास एक ग्रामीण का फोन आया कि पिछले तीन साल से खरंजा में तीन फीट गहरा और चौड़ा गड्ढा है जिस पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं कई जगह शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है इस गड्ढे की वजह से शादी में जा रहे दंपत्ति के साथ दुर्घटना हो गई किस्मत से कोई ज्यादा चोट उनको नहीं आई।

एक ग्रामीण ने पत्रकार से उस गड्ढे का समाचार प्रकाशन के माध्यम से जिम्मेदार लोगों का ध्यान आकर्षित करने को कहा जिस पर पत्रकार अतुल कुमार ने गड्ढे के प्रकाशन के बजाय खुद फावड़ा लाकर मिट्टी से उस गड्ढे को भर दिया। इस घटना के बाद एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाने के लिए गांव के पूर्व प्रधान मोहन सिंह चौधरी, प्रहलाद सिंह, विशेष गौतम, प्रशांत गौतम एवं उपज पत्रकार संगठन ने हर्ष व्यक्त किया।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति में मीनाक्षी चौक हुआ 'अटल चौक

पूर्व प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर अटल चौक से शिव मूर्ति तक नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने किया स्वच्छता श्रमदान, सैकड़ों पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा

मुजफ्फरनगर। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति को चिरस्थायी बनाने की दिशा में भारतीय जनता पार्टी एवं नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई। अटल जी के जन्मदिवस 25 दिसंबर के अवसर पर मीनाक्षी चौक का नाम बदलकर 'अटल चौक रखने के प्रस्ताव के साथ–साथ बुधवार को शहर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर ने शहर के प्रमुख मीनाक्षी चौक का नाम 'अटल चौक रखने का प्रस्ताव किया है। इसी अवसर पर स्वच्छता के प्रति जन–जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अटल चौक से शिव मूर्ति तक स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया गया। नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी

स्वरूप सहित सभी लोगों ने इसमें प्रतिभाग करते हुए अपने हाथों से सड़क पर अटल चौक से शिव चौक तक झाड़ू लगाकर साफ सफाई की। यह अभियान भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी के निर्देशन में तथा नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। अभियान में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पालिका के सफाई मित्रों के साथ जनसामान्य को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने के लिए सहभागिता की। स्वच्छता अभियान के दौरान सभी ने मिलकर नगरपालिका के सफाई मित्रों का उत्साहवर्धन किया गया तथा उन्हें प्रोत्साहित करते हुए स्वच्छ शहर के निर्माण में उनकी भूमिका की सराहना की गई। साथ ही आम नागरिकों से भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और नगर को सुंदर व स्वच्छ बनाने में सहयोग की अपील की गई।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप ने अपने संबोधन में अटल बिहारी वाजपेई के जीवन, संघर्ष और उनके राजनीतिक योगदान को याद करते हुए कहा कि अटल जी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि अटल जी न केवल एक कुशल राजनेता थे, बल्कि संवेदनशील कवि, विचारक और प्रखर वक्ता भी थे, जिन्होंने भारतीय राजनीति को शुचिता और गरिमा प्रदान की। श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई स्वच्छता, अनुशासन और नागरिक कर्तव्यों के प्रति सदैव सजग रहते थे। उनके नाम पर शहर में चौक का नामकरण एक प्रेरणा है और स्वच्छता अभियान चलाना उनके आदर्शों को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि स्वच्छता को केवल अभियान नहीं बल्कि अपनी दैनिक आदत बनाएं।

इस अभियान में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप के साथ भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक श्री अशोक कंसल, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री गौरव स्वरूप, अभियान संयोजक श्री सुधीर खटीक, श्री मोहन तायल, बिजेंद्र पाल, नन्दकिशोर, प्रवीण खेडा, अमित वत्स, डॉ. पुरुषोत्तम गौतम, सभासद हिमांशु गोयल सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने अटल बिहारी वाजपेई के विचारों को आत्मसात करने और स्वच्छ, सुंदर व विकसित मुजफ्फरनगर के निर्माण का संकल्प लिया।

पुस्तक मेले का सातवां दिन

किताबों की दुनिया में महापुरुषों को खोजते पाठक कोई 'इलाहबाद जंक्शन' तो कोई 'मानव जाति का इतिहास' तलाशता दिखा

प्रयागराज। शहर के कटरा स्थित द पाम्स रिसोर्ट : रॉयल गार्डन (लक्ष्मी टॉकीज के सामने) में "विजन 2047 : विकसित भारत : विकसित प्रदेश" की थीम पर आधारित ग्यारह दिवसीय प्रयागराज पुस्तक मेले ने अपना आधा सफर सफलतापूर्वक तय कर लिया है। बुधवार को मेले का सातवां दिन रहा, जहां कड़ाके की ठंड के बावजूद पुस्तक प्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज की गई।

मेले के आयोजक मनोज सिंह चंदेल ने बताया कि प्रयागराज पुस्तक मेले में हर आयु वर्ग और रुचि के पाठकों के लिए पुस्तकों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध है। यहां काल्पनिक और गैर–काल्पनिक उपन्यास, बच्चों की कहानियाँ और कॉमिक्स, शैक्षिक पुस्तकें (पाठ्यपुस्तकें और गाइड), आत्मकथाएँ, विज्ञान व इतिहास की किताबें, धार्मिक ग्रंथ, कला और फोटोग्राफी से जुड़ी पुस्तकें रखी गई हैं, जो विद्यार्थियों और सामान्य पाठकोंकृदोनों की जरूरतों को पूरा करती हैं।

सह–आयोजक मनीष गर्ग ने बताया कि ठंड के बीच भी

पुस्तक प्रेमी ज्ञान के इस कुंभ में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। जैसे–जैसे मेला आगे बढ़ रहा है, वैसे–वैसे पाठकों की संख्या में भी निरंतर वृद्धि हो रही है।

मेले में लगे बुकवाला प्रकाशन के स्टॉल प्रतिनिधि शुभम ने बताया कि उनके यहां उपन्यास, बच्चों की कहानियाँ और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी विभिन्न पुस्तकें उपलब्ध हैं। अमर चित्र कथा पर 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, वहीं प्रतियोगी परीक्षाओं और नक्सलवाद से संबंधित पुस्तकों पर भी विशेष छूट मिल रही है।

उन्होंने बताया कि केरल के कुछ अनसुने पहलुओं–विशेषकर लव जिहाद और धर्मांतरणकृपर आधारित पुस्तक अनटोल्ड केरल स्टोरी चर्चा में बनी हुई है, जिस पर हाल ही में फिल्म The Kerala Story भी बनी है। इसके अलावा दीपक बजाज की बनिए नेटवर्क मार्केटिंग मिलियनेयर, स्लोक रंजन और एलीशा फिलिप्स की इलाहाबाद जंक्शन, अनूप कुमार गुप्ता की कम्प्टीटिव्यू एग्जाम का चक्रव्यूह कैसे तोड़े को प्रतियोगी परीक्षार्थी पसंद कर रहे हैं। जॉर्ज ऑरवेल के उपन्यास 1984 का हिंदी अनुवाद (आचार्य विमल दीक्षित) तथा आचार्य प्रशांत की नीम लड्डू, विद्रोही मन और आह! जवानी भी पाठकों को आकर्षित कर रही हैं।

इसी प्रकार प्रकाशन संस्थान, दिल्ली के स्टॉल पर महापुरुषों और विचारकों से जुड़ा साहित्य विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां राजकिशोर का खलील जिब्रान विचारकोष, अंबेडकर विचारकोष, कामता प्रसाद गुरु की हिंदी व्याकरण, आचार्य परमानंद प्रभाकर की मानक संस्कृत व्याकरण, हिम्मतभाई मेहता की चक्रवर्ती सन्यासी सरदार पटेल, महात्मा गांधी की सत्य के प्रयोग (आत्मकथा), डॉ. राघव शरण शर्मा और डॉ. आदित्य की जंगे आजादी में मुस्लिम समाज पाठकों की पहली पसंद बनी हुई हैं।

इसके साथ ही जवाहरलाल नेहरू की हिंदुस्तान की कहानी (डिस्कवरी ऑफ इंडिया का हिंदी अनुवाद) और हेंड्रिक विलेम वैन लून की मानव जाति का इतिहास के लिए भी पुस्तक प्रेमी मेले में पहुंच रहे हैं।

मेले में बने सांस्कृतिक मंच पर बुधवार को भी कवि सम्मेलन, पुस्तक विमोचन तथा गजल संग्रह पर परिचर्चा जैसे साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिन्हें दर्शकों और पाठकों ने सराहा।

उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 70वीं बैठक का आयोजन

जयपुर, उत्तर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय, जयपुर के सभाकक्ष संकल्प में श्री अमिताभ, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 70वीं बैठक का आयोजन किया गया।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय, जयपुर के सभाकक्ष संकल्प में श्री अमिताभ, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 70वीं बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक में सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही की राजभाषा हिंदी प्रगति की क्षेत्रीय स्तर पर समीक्षा की गई। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों द्वारा विभिन्न मदों में राजभाषा नीति के अनुरूप हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया।

बैठक की शुरुआत में श्री शिवेन्द्र मोहन, मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अपने संबोधन में उत्तर पश्चिम रेलवे पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग–प्रसार की स्थिति पर प्रकाश डाला तथा तिमाही

के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधान कार्यालय स्तर पर त्रैमासिक हिंदी ई–पत्रिका मरुधरा का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है। उन्होंने राजभाषा पखवाड़ा, हिंदी कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं एवं पुरस्कार वितरण समारोह सहित विभिन्न आयोजनों की जानकारी भी दी।

महाप्रबंधक एवं समिति अध्यक्ष श्री अमिताभ ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि उत्तर पश्चिम रेलवे का अधिकांश क्षेत्र राजभाषा नियमों के अंतर्गत क क्षेत्र में आता है अतः राजभाषा हिंदी में कार्य करना हमारा संवैधानिक एवं नैतिक दायित्व है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे स्वयं अधिकाधिक हिंदी में कार्य करें, जिससे अधीनस्थ कर्मचारी भी हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित हों। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर एवं समन्वित प्रयास करने पर बल दिया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय द्वारा मरुधरा ई–पत्रिका के 32वें अंक का विमोचन किया गया तथा अखिल रेल स्तर पर आयोजित हिंदी निबंध प्रतियोगिता एवं हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले श्री चन्द्र प्रकाश चौहान एवं श्री विनय कुमार झा को पुनः सम्मानित किया गया।

बैठक के दौरान वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी द्वारा कार्यसूची पर मदवार चर्चा की गई तथा समिति सदस्यों से राजभाषा के प्रचार–प्रसार हेतु सुझाव आमंत्रित किए गए। सभी सदस्यों ने राजभाषा हिंदी के प्रयोग को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए।

बैठक के अंत में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने समिति के सभी सदस्यों का सहभागिता हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की समाप्ति की घोषणा की।

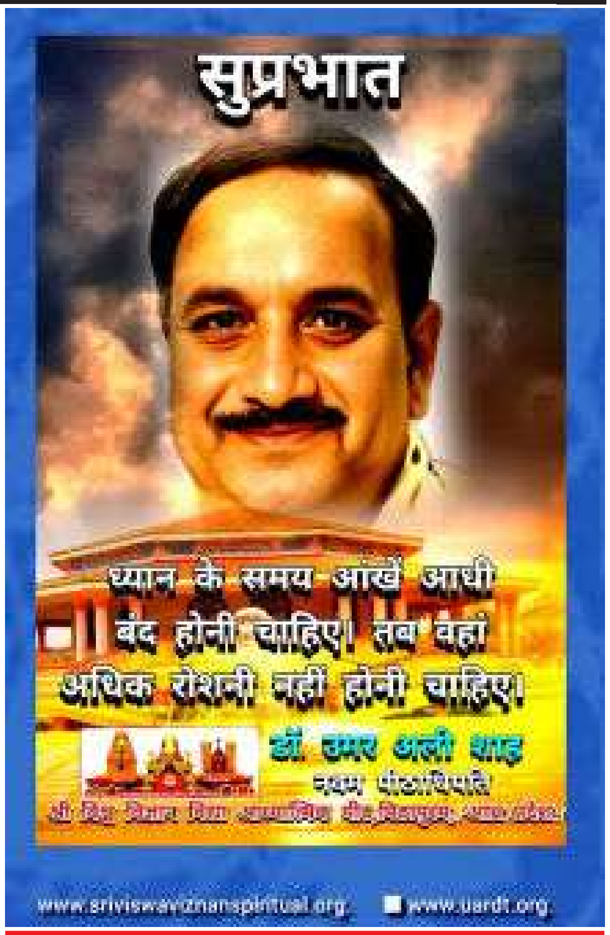

इचिनेशिया के फूल

(कुण्डलिया)

समझो क्यों 'इचिनेशियाश, जग में है मशहूर।
सुन्दर रंग बिखेरता, औषधि से भरपूर।
औषधि से भरपूर, फूल गर्मी में खिलते।
है एस्टर परिवार, कोनफ्लावर भी कहते।
सुन लो कहें प्रदीप, खुश्शी देकर यह सबको।
बिन बोले ही कहें, हमारे गुण को समझो।।

कहते हैं इचिनेशिया, है अमरीकी मूल।
प्यारी जिसकी पंखुरी, बहुरंगी हैं फूल।
बहुरंगी हैं फूल, दवायें जिनसे बनती।
भारत के ही साथ, सभी देशों में मिलती।
सुन लो कहें प्रदीप,सुगन्धित उपवन करके।
रहिये सबके साथ, सभी से हँसकर कहते।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कृष्णा फाउंडेशन की सराहनीय पहल, जरूरतमंद बंदियों में बांटे गर्म कपड़े

मुजफ्फरनगर। जिला कारागार मुजफ्फरनगर में सामाजिक सरोकारों को समर्पित गाजियाबाद की लोकप्रिय संस्था कृष्णा फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद बंदियों के लिए एक सराहनीय पहल की गई। कड़ाके की ठंड को देखते हुए संस्था की ओर से कारागार में निरुद्ध 230 बंदियों को गर्म कपड़े वितरित किए गए, जिससे उन्हें सर्द मौसम में राहत मिल सके। यह आयोजन न केवल मानवीय संवेदनाओं का परिचायक रहा, बल्कि समाज के उस वर्ग के प्रति जिम्मेदारी का भी उदाहरण बना, जो सामान्यतः मुख्यधारा से दूर माना जाता है।

इस अवसर पर कृष्णा फाउंडेशन के प्रतिनिधि राजा सैफी ने कहा कि उनकी संस्था का उद्देश्य समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि कृष्णा फाउंडेशन समय–समय पर गरीब, असहाय और वंचित लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सहायता कार्य करती रही है। चाहे वह ठंड के मौसम में गर्म कपड़ों का वितरण हो, भोजन की व्यवस्था हो या अन्य सामाजिक गतिविधियां, संस्था सदैव मानव सेवा को अपना मूल उद्देश्य मानती है। राजा सैफी ने यह भी कहा कि बंदी भी समाज का ही हिस्सा हैं और उनके कल्याण व हित के लिए कार्य करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

कार्यक्रम के दौरान जिला कारागार प्रशासन का भी पूरा सहयोग देखने को मिला। जेल अधीक्षक अभिषेक चौधरी ने कृष्णा फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए संस्था का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सहयोग से बंदियों के मनोबल में वृद्धि होती है और उन्हें यह महसूस होता है कि समाज उन्हें पूरी तरह से भूला नहीं है। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी कृष्णा फाउंडेशन इसी प्रकार कारागार प्रशासन के साथ मिलकर बंदियों के हित में कार्य करती रहेगी।

गर्म कपड़ों के वितरण से बंदियों के चेहरों पर संतोष और राहत स्पष्ट रूप से दिखाई दी। ठंड के मौसम में इस तरह की सहायता उनके लिए बेहद उपयोगी सिद्ध हुई। यह पहल न केवल भौतिक सहायता तक सीमित रही, बल्कि इससे मानवीय संवेदना, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी समाज में गया। कृष्णा फाउंडेशन का यह प्रयास निश्चित रूप से अन्य सामाजिक संस्थाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा और समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को और अधिक मजबूत करेगा। इस अवसर पर जेलर नीरज श्रीवास्तव, डिप्टी जेलर हेमराज सिंह, दीपक सिंह, अंकित कुमार, यश केंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय........

देश में ध्रुवीकरण की कोशिशें तेज

बिहार चुनाव जीतने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प. बंगाल और असम जैसे चुनावी राज्यों में सक्रिय हो गए हैं। बीते दो दिनों में उनकी दो सभाएं प.बंगाल और असम में हुईं। प.बंगाल के नादिया जिले में उनका हेलीकॉप्टर धुंध की वजह से न उतर सका तो उन्होंने कोलकाता से ही वर्चुअली सभा को संबोधित किया, जिसमें बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकाल बाहर करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि नादिया में उनके खिलाफ पोस्टर और बैनर लगे थे, जिसके बाद सवाल उठता है कि क्या श्री मोदी विरोध का सामना करने से डर गए और इसलिए धुंध को लौटने का कारण बताया जा रहा है। क्योंकि पंजाब चुनाव के वक्त वे किसानों के विरोध की वजह से बीच रास्ते से लौट आए थे और तब उन्होंने कहा था कि अपने मुख्यमंत्री से कहना मैं जिंदा वापस लौट आया। लोकतांत्रिक देश में जनता के विरोध को जान पर खतरे की तरह दिखाना यह बताता है कि प्रधानमंत्री को लोकतंत्र में जनता को मिले अधिकार सुहाते नहीं हैं। खैर, ठंड का मौसम बीतेगा और धुंध खत्म होगी, तब तो नरेन्द्र मोदी को बंगाल में प्रचार के लिए जाना ही होगा, तब अगर विरोध होता है, तो कितनी बार वे लौटेंगे, ये देखना होगा।प.बंगाल में नरेन्द्र मोदी असम गए और वहां उन्होंने इतिहास की गलत बयानी कर पं. नेहरू और कांग्रेस को कटघरे में खड़ा किया। लेकिन इस कोशिश में श्री मोदी ने खुद को उपहास का पात्र बना दिया है कि आखिर कब तक वे इतिहास को तोड़–मरोड़ कर पेश करेंगे। दरअसल श्री मोदी ने 20 दिसंबर को गुवाहाटी में आरोप लगाया कि श्कांग्रेस ने स्वतंत्रता से पहले ही इस जगह की पहचान मिटाने की साजिश रची थी, जब मुस्लिम लीग और ब्रिटिश ताकतें मिलकर भारत को बांटने की जमीन तैयार कर रही थीं, उस समय असम को भी पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की योजना थी। कांग्रेस भी उस साजिश का हिस्सा बनने वाली थी। तब बोरदोलोई जी ने अपनी पार्टी के खिलाफ खड़े होकर असम की पहचान मिटाने की इस कोशिश का विरोध किया और असम को देश से अलग होने से बचाया।लेकिन हकीकत यह है कि मार्च 1946 में ब्रिटिश सरकार ने भारतीय राजनीतिक नेतृत्व को सत्ता हस्तांतरण पर चर्चा करने के लिए तीन ब्रिटिश कैबिनेट सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल भेजा था, जिसमें ब्रिटिश भारत के लिए तीन स्तरीय प्रशासनिक संरचना का प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें शीर्ष स्तर पर संघीय संघ, निचले स्तर पर अलग–अलग प्रांत और मध्य स्तर पर प्रांतों के समूह थे। उत्तर–पश्चिम भारत, पूर्वी भारत और भारत के शेष मध्य भागों के लिए समूह ए, बी और सी नामक तीन समूहों का प्रस्ताव रखा गया था। समूह ए में हिंदू बहुल प्रांत (जैसे बॉम्बे, मद्रास, यूपी) थे, समूह बी में मुस्लिम बहुल प्रांत (पंजाब, सिंध, उत्तर–पश्चिमी सीमांत प्रांत) थे और समूह सी में बंगाल और असम, जिसमें बंगाल मुस्लिम बहुल था, जबकि असम हिंदू बहुल। मुस्लिम लीग चाहती थी कि पूरा समूह सी पाकिस्तान का हिस्सा बने। लेकिन कांग्रेस इसके लिए तैयार नहीं थी। न ही कांग्रेस ये चाहती थी कि असम को बंगाल के साथ मिलाया जाए। 29 दिसंबर 1946 के श्हरिजनश अखबार में श्गांधीजी की असम को सलाहश शीर्षक से प्रकाशित लेख में इसका स्पष्ट उल्लेख है। नेहरू भी असम को पाकिस्तान या बंगाल के साथ मिलाने के खिलाफ थे। 22 जुलाई 1946 को गोपीनाथ बोरदोलोई को पत्र में नेहरूजी ने लिखा, श्समूह के खिलाफ फैसला करना सही और उचित था।श इसके बाद 23 सितंबर 1946 को लिखा, श्किसी भी हालत में हम असम जैसे प्रांत को उसकी इच्छा के खिलाफ कुछ करने के लिए मजबूर करने पर सहमत नहीं होंगे।श अप्रैल 1946 में बीबीसी को दिए इंटरव्यू में पं. नेहरू ने कहा, श्उत्तर–पश्चिम सीमा प्रांत में मुस्लिम बहुल होने के बावजूद लोगों ने कांग्रेस को वोट दिया... असम भी स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के खिलाफ है।श कांग्रेस के जबरदस्त विरोध के बाद अंग्रेजों ने असम को पाकिस्तान में मिलाने की योजना को रद्द कर दिया। कैबिनेट मिशन प्लान को कांग्रेस ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। नेहरू के 10 जुलाई 1946 के प्रेस कॉन्फ्रेंस को कांग्रेस की स्पष्ट अस्वीकृति और असहमति माना गया। ये सारी बातें सौ साल पुरानी भी नहीं हैं, तब के अखबारों की कतरनों में देखा जा सकता है कि गांधी, नेहरू, कांग्रेस पार्टी और गोपीनाथ बोरदोलोई सबके विचार इस मुद्दे पर एक जैसे थे। लेकिन नरेन्द्र मोदी कह रहे हैं कि बोरदोलोई ने अपनी पार्टी के खिलाफ खड़े होकर असम बचाया।दरअसल असम में अब भाजपा के खिलाफ एंटीइनकमबेंसी दिखाई दे रही है। वहीं कांग्रेस गौरव गोगोई के नेतृत्व में वहां लगातार जमीन पर सक्रिय है। इसलिए भाजपा अब वहां झूठा इतिहास बताकर कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश में है, जिसमें नरेन्द्र मोदी का पहला ही दांव बेकार गया है। असम में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा भी भाजपा शुरु से उठाती रही है और हिमंता बिस्वासरमा लगातार सांप्रदायिक विभेद बढ़ाने वाले फैसले ले रहे हैं, इनका लाभ भाजपा को मिलेगा या नहीं देखना होगा।पं.बंगाल में भी नरेन्द्र मोदी यही कोशिश कर रहे हैं। हुमायूं कबीर जैसे नेता बाबरी मस्जिद बनवाने की शुरुआत कर परोक्ष रूप से ध्रुवीकरण में भाजपा की मदद कर रहे हैं। बचा हुआ काम राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत पूरा करने की कोशिश में है। श्री भागवत ने रविवार को कोलकाता में कहा कि यदि सभी हिंदू एकजुट होकर खड़े हो जाएं, तो प. बंगाल की स्थिति को बदलने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। उनका यह बयान चुनावी पृष्ठभूमि तैयार करने की तरह देखा जा रहा है। भले संघ खुद को एनजीओ बताए, लेकिन वह खुलकर राजनीति कर रहा है। मोहन भागवत अपने बयान में संविधान की अवहेलना करते भी दिखे, उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है। अगर संसद कभी संविधान में संशोधन करके वह शब्द जोड़ने का फैसला करती है, तो करें या न करें, ठीक है। हमें उस शब्द की परवाह नहीं है क्योंकि हम हिंदू हैं, और हमारा राष्ट्र हिंदू राष्ट्र है। यही सत्य है।संघ प्रमुख ने मोदी सरकार को इशारा दे दिया है कि अब संविधान में संशोधन कर हिंदू राष्ट्र का ऐलान उसका अगला पड़ाव होगा। मोहन भागवत और नरेन्द्र मोदी दोनों के बयान खतरनाक हैं और देश में ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने वाले हैं। इससे भले उन्हें सत्ता मिल जाए, लेकिन इसका जो दीर्घकालिक नुकसान देश को होगा, वह चिंतनीय है।

काम का अधिकार कम न हो, उलटे इसे बढ़ाया जाना चाहिए

डॉ. अरुणा शर्मा

कई बार आपदा की स्थिति में बड़े पैमाने पर काम लेना अनिवार्य हो जाता है– जैसा कि महामारी के दौरान हुआ था। तब प्रवासी मजदूरों के लिए मनरेगा जीवनरेखा साबित हुई थी।

मनरेगा का विचार 'राइट टु वर्क' से प्रेरित था। यूएन ने काम के अधिकार को बुनियादी मानवीय हक माना था। इसे मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा–पत्र में भी सम्मिलित किया गया है। श्रम कानून और उचित मजदूरी भी बुनियादी सिद्धांत हैं। इस परिप्रेक्ष्य में मनरेगा में किए गए बदलावों को समझना जरूरी है। काम के अधिकार के तहत स्थानीय निकायों, विशेषकर पंचायतों, को जिम्मेदारी दी गई थी कि वे स्थानीय स्तर पर चिह्नित परियोजनाओं की सूची से काम उपलब्ध कराएं और उनका क्रियान्वयन करें। मनरेगा ने इसे संस्थागत रूप दिया था। अनेक वर्षों के दौरान डिजिटलीकरण, जीपीएस टैगिंग और मजदूरी के सीधे बैंक खातों में भुगतान से इसमें पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत हुई। वहीं राज्यों ने मनरेगा को अन्य बुनियादी ढांचा योजनाओं के साथ जोड़ा, जिससे टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण हुआ। लेकिन नई योजना के तहत किए गए बदलाव इस मॉडल से हटने का संकेत देते हैं। चयनित क्षेत्रों और सीमित कार्यों को एक केंद्रीकृत ढांचे में सीमित कर देने से स्थानीय जरूरतों की पहचान कमजोर होगी। खेती के मौसम के दौरान वाले कार्यों को बंद करने से खेत–मजदूर की मोलभाव की क्षमता कमजोर होगी। जबकि पुरानी योजना के तहत मनरेगा ने कृषि मजदूरी को बेहतर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई थी। नई व्यवस्था में चिंता का विषय केवल यही नहीं है कि राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाकर 40% कर दी गई है– जो पहले सामग्री की लागत का केवल 10% थी। चिंता का विषय यह भी है कि इससे राज्यों के संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। जीएसटी के बाद कर–संग्रह मुख्यतया केंद्र के हाथ में चला गया है (ईंधन पर वैट और शराब पर उत्पाद शुल्क को छोड़कर)। सीमित संसाधनों वाले राज्य 40% हिस्सेदारी को वहन करने में असमर्थ रहेंगे, जिसका नतीजा मजदूरी के भुगतान में देरी या काम न मिलने के रूप में सामने आ सकता है। एक और समस्या उस शर्त से जुड़ी है, जिसमें कहा गया है कि काम 'फंड की उपलब्धता' के अनुसार दिया जाएगा। इसका अर्थ है कि काम पर सीमा तय कर दी गई है, जो 'काम के अधिकार' की मूल भावना के विपरीत है। अब काम तभी मिलेगा, जब पैसा होगा। नई व्यवस्था में जिन क्षेत्रों को कार्य के लिए चिह्नित किया गया है, वे भी श्रम की तुलना में अधिक सामग्री–आधारित हैं। उदाहरण के लिए जल परियोजनाओं में अधिकतम खर्च पाइप और टैंक निर्माण पर होता है, यही स्थिति टॉयलेट्स के निर्माण में भी है। इससे श्रम आधारित रोजगार सृजन की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। इसके विपरीत, पहले की व्यवस्था के तहत सड़क निर्माण में मिट्टी के काम, कृषि भूमि में कार्य, कुओं का निर्माण जैसे श्रम–प्रधान कार्य संभव हो पाते थे, जिससे अधिक रोजगार सृजित होते थे। जरूरत इस बात की है कि नई योजना के स्ट्रक्चर को दुरुस्त किया जाए और कार्यों की उपलब्धता पूरे साल सुनिश्चित की जाए। 'काम के अधिकार' की मूल भावना यह है कि परियोजनाओं की उपलब्ध सूची से, निर्धारित न्यूनतम मजदूरी पर, मांग के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराया जाए और परिसंपत्तियों का निर्माण भी हो। निस्संदेह, इस व्यवस्था में समय–समय पर सुधार की आवश्यकता रही है और आगे भी रहेगी, विशेष रूप से समय पर धन का प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए। कार्य क्षेत्रों को सीमित करने की अवधारणा केवल पिछड़े और आदिवासी जिलों तक ही उचित हो सकती है। लेकिन निर्णय लेने का अधिकार विकेंद्रीकृत होना चाहिए। कई बार आपदा की स्थिति में बड़े पैमाने पर काम लेना अनिवार्य हो जाता है– जैसा कि महामारी के दौरान हुआ था। तब प्रवासी मजदूरों के लिए मनरेगा जीवनरेखा साबित हुई थी। मनरेगा पहली ऐसी योजना थी, जिसने मजबूत घरेलू डेटा आधार पर डीबीटी को लागू किया और वित्तीय–समावेश की दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत की। शून्य–बैलेंस खाते खोले गए, जो बाद में बचत खातों में बदले और जमा तथा अन्य बचत लाभों को प्रोत्साहित किया। मनरेगा किसी भी तरह के खाद्यान्न वितरण की तुलना में कहीं अधिक समावेशी योजना साबित हुई थी और मजदूरी के माध्यम से भुगतान ने लाभार्थियों की गरिमा भी बनाए रखी थी। मनरेगा किसी भी तरह के खाद्यान्न वितरण की तुलना में कहीं अधिक समावेशी योजना साबित हुई थी और मजदूरी के माध्यम से भुगतान ने लाभार्थियों की गरिमा भी बनाए रखी थी। इसकी मूल भावना यथावत रहनी चाहिए।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

2026 के लिए क्या कहती हैं भविष्यवाणियां

कल्याणी शंकर

भविष्यवाणियों में मशहूर फ्रांसीसी भविष्यवक्ता नोस्ट्राडेमस की भविष्यवाणियां शामिल हैं, जिनकी भविष्यवाणियों की अलग–अलग तरह से व्याख्या की गई है। भविष्यवाणी की गई घटनाओं में दो विश्व युद्ध, हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बमबारी और अमरीका में 9/11 के आतंकवादी हमले शामिल हैं, ये सभी भविष्यवाणियां 1555 में लिखी गई थीं। उनके लेखों की अस्पष्ट भाषा कई तरह की व्याख्याओं को जन्म देती है और इतिहासकार अक्सर उनकी भविष्यवाणियों की विश्वसनीयता पर बहस करते हैं। 2026 के लिए नोस्ट्राडेमस की भविष्यवाणियां महत्वपूर्ण वैश्विक अशांति का संकेत देती हैं। पूर्व और पश्चिम के बीच संघर्ष बढ़ेंगे, जिससे एक बड़ा युद्ध हो सकता है, जो लगभग 7 महीने तक चल सकता है। वह स्विट्जरलैंड के टिसिनो क्षेत्र में खून–खराबे की भी चेतावनी देते हैं। कुछ व्याख्याओं का कहना है कि एक शक्तिशाली 'प्रकाश का आदमी' दिखाई देगा, साथ ही और भी जलवायु आपदाएं और तकनीकी बदलाव होंगे। बाबा वेंगा, एक प्रतिष्ठित बल्गारियाई भविष्यवक्ता, ने भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट और गंभीर जलवायु परिवर्तन सहित महत्वपूर्ण आपदाओं के बारे में अपनी भविष्यवाणियों के लिए पहचान हासिल की। ये पर्यावरणीय बदलाव बाढ़, सुनामी और अन्य चरम घटनाओं का कारण बन सकते हैं, जो संभावित रूप से दुनिया भर के क्षेत्रों और सैक्टरों को प्रभावित कर सकते हैं, जिनमें कृषि, बुनियादी ढांचा और आपदा तैयारी शामिल है। हालांकि इन विचारों की वैज्ञानिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है लेकिन उनके संभावित प्रभावों पर विचार करने से हमें भविष्य के जोखिमों को समझने में मदद मिलती है। अगले साल, विभिन्न देशों में 10 चुनाव होने वाले हैं। वे हैं– इथियोपिया, अमरीका, म्यांमार, दक्षिण सूडान, गाम्बिया, सूडान, रूस, जाम्बिया, दक्षिण अफ्रीका और थाईलैंड। दुनिया भर में हर 100 लोगों में से लगभग 7 से 8 लोग इन घटनाओं से प्रभावित हो सकते हैं, जो दिखाता है कि कितने लोग प्रभावित हो सकते हैं। इन विचारों में एक मजबूत वैज्ञानिक आधार की कमी है। हमें यह सोचने की जरूरत है कि ये अवधारणाएं समाज को कैसे प्रभावित करती हैं।

सिर्फ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास (भाग – 9)

लेखिका – अतिया नूर

जिंदगी की तपिश ने यूं तो वैसे भी मेरा सुख– चौन छीन लिया था, नींद तो न जाने कब की आँखों से रूठ गई थी लेकिन किस्मत को मुझे अभी और भी बर्बाद करना था, किस्मत और भी चालें चलती रही। दिन ब दिन घर के बिगड़ते माहौल ने मेरी बची – खुची खुशियां भी खत्म कर दी थीं। समीर की उद्दंडता बढ़ती ही जा रही थी। अब तो उसने बिना हमारी आज्ञा के शहर से बाहर भी जाना शुरू कर दिया था। यही तो हुआ था उस दिन ! मैं उसके आने का इंतेजार करती रही,जब बहुत देर तक वो नहीं आया तो हमेशा की तरह उसे फिर ढूँढने निकली,सोसाइटी के गेटकीपर ने बताया कि समीर को उसने बाहर जाते देखा था। मुझे लगा कि वो यहीं–कहीं आस–पास गया होगा लेकिन सुबह से शाम तक उसका कहीं पता नहीं चला। मैं परेशान सी बैठी थी कि समीर की दादी ने फोन करके बताया कि समीर अकेले ही लखनऊ पहुंच गया है। मैं अवाक सी रह गई। समझ में ही नहीं आया कि क्या करूं!

मैंने अपनी सास से उसका ध्यान रखने को कहा और अपने मन को तसल्ली देने लगी कि – समीर अपने घर पर ही तो है, वहां सभी तो उसके अपने हैं। मुझे बार–बार ये भी खयाल आने लगा कि– शायद समीर अपनों के बीच रहकर, उनका प्यार–दुलार पाकर सुधर जाए। निःसंदेह समीर को वहां उन सबका प्यार ही खींच कर ले गया था। वो हर उस शख्स की तरफ खिंचता चला जाता था जो उससे प्यार से पेश आता था। तब उसे कहां पता था –माँ–बाप की सख्ती में छुपे प्यार का अर्थ! उसे कहां मालूम था कि बाहर की जो दुनिया उसे चंद पल के लिए अपना सकती है वही उसे बर्बाद भी कर सकती है।

फिर तो ये बार–बार का क्रम बन गया। अब समीर दादी के घर जाने की जिद करता, हमारे मना करने का उसपर कोई असर नहीं होता और वो चला जाता।

हालांकि मुझे उसके दादी के घर जाने से कोई परेशानी नहीं थी लेकिन थोड़ी–बहुत जो उसकी पढ़ाई चल रही थी वो भी खत्म होने की कगार पर पर पहुंचने लगी थी।मैं डरती भी थी क्योंकि मुझे नहीं लगता था कि अभी समीर इतना बड़ा हो गया है कि कहीं भी अकेले आए–जाए। जब वो अकेले बस का सफर करता तो मैं उसके घर पहुंचने तक ईश्वर से प्रार्थना करती रहती कि– हे ईश्वर ! मेरे बच्चे की रक्षा करना।

समय आगे बढ़ता रहा। परिस्थितियां बद से बदतर होती गईं। शेखर और समीर में आए दिन लड़ाई–झगड़ा होना आम बात हो गई। इन सबके चलते एक दिन मैंने निर्णय लिया कि शायद समीर को यहाँ से हटा देने से हालात ठीक हो जाएं। मैंने समीर की दादी से समीर को अपने पास रखने को कहा। हालांकि समीर की बुआ वगैरह बिल्कुल तैयार नहीं हुईं लेकिन समीर की दादी किसी तरह मेरी बात मान गईं और मैंने समीर को सामान के साथ लखनऊ पहुंचा दिया और वहीं उसका एडमिशन भी करवा दिया।

आज सोचती हूँ तो हमेशा की तरह देर तक सोचती रह जाती हूँ कि मैंने परिस्थितियों से हारकर उसके हक में जो फैसला लिया, वो फैसला भी तो गलत था। काश कि मैं अपने बच्चे को अपने पास रखकर उसकी जिंदगी संवार सकती। दुनिया में कोई किसी का कब अपना हुआ है और मैं तो आजमाए हुए लोगों को आजमाने चली थी, लेकिन तब समझ ही कहां सकी थी कि जिंदगी अभी मेरा वो इम्तिहान लेने वाली है जिसकी कल्पना मैंने सपने में भी नहीं की थी।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

पतझड़ आया आज है, कल फिर दिखे बसंत।
जीवन दुख- सुख से भरा, कहते साधू संत।।
कहते साधू संत, चले मतवाला हाथी।
चलना ऐसे राह, अंत तो तय है साथी।।
कहती रचना आज, रहो मत अब तुम उज्झड़।
आता दिखे बसंत, लौट जब जाता पतझड़।।

रहता साँसों का यहाँ, जीवन में है खेल।
यह दीपक तब तक जले, जब तक उसमें तेल।।
जब तक उसमें तेल, बात यह होती न्यारी।
आना तय है मौत, जिंदगी पर जो भारी।।
कहती रचना आज, बवंडर को जो सहता।
गति में दिखती चाल, हमेशा चलता रहता।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

सुशासन के महानायक : अटल दृष्टि, शाश्वत राष्ट्र-बोध और आधुनिक भारत का संकल्प

भारत के राजनीतिक क्षितिज पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र थे, जिन्होंने सत्ता को सेवा का माध्यम और राजनीति को मर्यादा का मंदिर बनाया। प्रतिवर्ष 25 दिसंबर को उनकी जयंती पर मनाया जाने वाला श्सुशासन दिवसश मात्र एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि उस अजातशत्रु व्यक्तित्व के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता है, जिसने पराजित मानसिकता से जूझते भारत को परमाणु शक्ति संपन्न होने का आत्मविश्वास दिया।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की लेखनी में जो पौरुष और राष्ट्रीय अस्मिता का स्वर था, अटल जी का जीवन उसी का जीवंत प्रतिबिंब था। यदि आज दिनकर की शैली में अटल जी के योगदान को रेखांकित किया जाए, तो वह स्वर कुछ इस प्रकार मुखर होगारू

सिंहासन डोल उठा था जब,
तूने साहस का राग चुना,
रेणु–कणों को समेट मुट्ठी में,
तूने परमाणु का भाग्य बुना।
नहीं झुका वह भाल कभी, जो
राष्ट्र–शक्ति का प्रतीक बना,
सुशासन का वह दीप जला,
जो जन–जन का ही संबल बना।ष

सुशासन : केवल शब्द नहीं, एक संस्कृति

अटल जी के लिए सुशासन का अर्थ केवल फाइलों का समय पर निपटान नहीं था, बल्कि इसका केंद्र बिंदु श्अंत्योदयश था। उन्होंने समझा था कि जब तक गांव मुख्यधारा से नहीं जुड़ेंगे, भारत का उदय अधूरा रहेगा। श्प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाश ने भारत के भूगोल को सामाजिक न्याय के साथ जोड़ा। आज के श्डिजिटल इंडियाश और श्आत्मनिर्भर भारतश की नींव में अटल जी की वही दूरदर्शिता है, जहाँ तकनीक का उपयोग अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए किया जा रहा है।

वर्तमान परिवेश में प्रासंगिकता और सीख

आज का भारत जब एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है, तब अटल जी के विचार हमें श्संतुलनश सिखाते हैं। वर्तमान परिवेश में उनसे हमें तीन मुख्य बातें आत्मसात करनी चाहिए :

संवाद और मर्यादा : आज के ध्रुवीकृत दौर में अटल जी का वह श्पार्लियामेंट्री कंडक्टश एक मिसाल है। उन्होंने सिखाया कि विरोध सिद्धांतों का होना चाहिए, व्यक्तियों का नहीं। हमें सार्वजनिक संवाद में शालीनता को पुनः स्थापित करना होगा।

साहस और आत्मनिर्भरता : पोखरण परीक्षण के समय अटल जी ने वैश्विक दबाव को दरकिनार कर राष्ट्र की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा। वही दृढ़ता आज भारत की विदेश नीति की पहचान है।

कर्तव्यनिष्ठारू सुशासन केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिक संस्कार भी है। जब हर नागरिक अपने कार्य को ईमानदारी से करेगा, तभी श्अटल भारतश का सपना पूर्ण होगा।

अटल जी एक ऐसे सेतु थे, जिन्होंने प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों को आधुनिक विकास की आकांक्षाओं से जोड़ा। इस सुशासन दिवस पर, हम उन्हें नमन करते हुए उनसे यही आशीर्वाद मांगते हैं कि वे सूक्ष्म रूप में हमारा मार्गदर्शन करते रहें।

नमन है उस तपस्वी को,
जिसने राष्ट्र की अग्नि जगाई थी,
नमन उस अडिग शिखर को, जिसने सुशासन की अलख जगाई थी।
हे राष्ट्र–ऋषि! तुम गगन से अब भी अपना आशीष बरसाओ,
भटके न डगर हमारी, तुम ज्योति बनकर पंथ दिखाओ।
हृदय में करुणा का समंदर,
मस्तक पर चन्दन त्याग का,
तुम्हारे आशीर्वाद से जागे,
फिर मंत्र महा–अनुराग का।
शताब्दियों तक गूँजता रहे,
वह मधुर कण्ठ तुम्हारा,
अटल रहे संकल्प हमारा,
अटल रहे ध्रुव–तारा ।

अटल जी की विरासत हमें सिखाती है कि सत्ता का वास्तविक अर्थ श्सेवाश है। उनकी स्मृतियां हमारे भीतर वह शक्ति भरें कि हम श्स्वश से ऊपर उठकर श्राष्ट्रश के लिए समर्पित हो सकें। अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और भारत का भविष्य अटल रूप से चमकेगा।

डॉ संगीता बनाफर प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद
शैक्षिक प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़

अमिताभ बच्चन ने देखी धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म `इक्कीस', नाती अगस्त्य के डेब्यू पर जाहिर किया प्यार

> “ अमिताभ ने अपने नाती अगस्त्य नंदा की पहली फिल्म व दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म ‘इक्कीस’ देखी और इसका रिव्यू किया। अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि ‘इक्कीस’ उन्हें कई स्तरों पर छू गई। उन्होंने धर्मेंद्र के अभिनय को लेकर भावुक शब्दों में लिखा और कहा कि इतने वर्षों के करियर के बाद भी स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी उतनी ही प्रभावशाली और सशक्त है।

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन फिल्मों और कलाकारों को लेकर अपनी राय खुलकर रखने के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स और खासतौर पर अपने ब्लॉग के जरिए सिनेमा से जुड़े अनुभव, विचार और भावनाएं साझा करते रहते हैं। ऐसे में अब हाल ही में अमिताभ ने अपने नाती अगस्त्य नंदा की पहली फिल्म व दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म ‘इक्कीस’ देखी और इसका रिव्यू किया। अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि ‘इक्कीस’ उन्हें कई स्तरों पर छू गई। उन्होंने धर्मेंद्र के अभिनय को लेकर भावुक शब्दों में लिखा और कहा कि इतने वर्षों के करियर के बाद भी स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी उतनी ही प्रभावशाली और सशक्त है। बिग बी ने माना कि धर्मेंद्र जैसे कलाकार का सिनेमा में योगदान अमूल्य है और इस फिल्म के जरिए उनका आखिरी अभिनय दर्शकों के दिलों में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। वहीं, अगस्त्य नंदा के डेब्यू को लेकर अमिताभ बच्चन ने गर्व और स्नेह दोनों भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने लिखा कि अगस्त्य का आत्मविश्वास, स्क्रीन प्रेजेंस और काम के प्रति समर्पण उन्हें बेहद प्रभावित कर गया। बिग बी के मुताबिक, अगस्त्य ने अपनी पहली ही फिल्म में मेहनत और ईमानदारी से काम किया है, जो आने वाले समय में उनके करियर के लिए मजबूत नींव साबित हो सकता है।

आगे अमिताभ बच्चन ने फिल्म की टीम, निर्देशन और कहानी कहने के अंदाज की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि ‘इक्कीस’ एक ऐसी फिल्म है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है और भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ जाती है। बिग बी ने उम्मीद जताई कि यह फिल्म दर्शकों को जरूर पसंद आएगी और खास जगह बनाएगी।

नई फिल्म की तैयारी में जुटे शरद केलकर, जिम से शेयर की फोटो

शरद केलकर एक ऐसे अभिनेता हैं जो अपने हर किरदार के लिए पूरी मेहनत और लगन दिखाते हैं। अब उन्होंने अपनी आने वाली, फिलहाल अनटाइटल्ड फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने जिम सेशन की एक फोटो शेयर करके दी। इस फोटो के साथ उन्होंने लिखा,”और तैयारी शुरू“ और नीचे लिखा ”न्यू फिल्म“। हालांकि शरद केलकर ने अभी इस फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है, लेकिन जिस तरह से वह अपने रोल के लिए मेहनत कर रहे हैं, उससे दर्शकों में काफी उत्सुकता और म•बपजमउमदज है। उनकी तैयारी देखकर साफ है कि वह इस बार कुछ नया और अलग करने वाले हैं, जैसा कि एक मजबूत अभिनेता से उम्मीद की जाती है। फिलहाल शरद केलकर अपनी आने वाली सीरीज ‘‘जेंतममरू जीम ˆउनहहसमतˇ मइ’’ की भी तैयारी कर रहे हैं। इस सीरीज में उनके साथ इमरान हाशमी, अमृता खानविलकर, नंदिश सिंह संधू, अनुराग सिन्हा और जोया अफरोज नजर आएंगे। हाल ही में इस सीरीज का टीजर रिलीज हुआ है, जिसे देखकर दर्शक और ज्यादा उत्साहित हो गए हैं। नीरज पांडे द्वारा बनाई गई यह सीरीज 14 जनवरी 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

धुरंधर में रहमान डकैत बने अक्षय खन्ना की फैन हुई शिल्पा शेट्टी, डांस स्टेप्स को रिक्रिएट कर बोलीं-ये ट्रेंड करना बनता है

5 दिसंबर को रिलीज हुई आदित्य धर निर्देशित फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी है और इसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। वहीं बॉलीवुड सेलेब्स से भी इसे लगातार प्यार मिल रहा है। इसमें अब शिल्पा शेट्टी का नाम भी शामिल हो गया है। शिल्पा ने हाल ही में धुरंधर में रहमान डकैत बने अक्षय खन्ना के डांस स्टेप को रीक्रिएट किया। साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह समेत पूरी कास्ट, संगीत और निर्देशक आदित्य धर की जमकर तारीफ की है। शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर अक्षय खन्ना के डांस स्टेप को रीक्रिएट करते हुए एक वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, ”फैन तो मिला नहीं लेकिन मैं फैन बन गई हूं, तो ये ट्रेंड करना बनता था।“ वीडियो के अंत में शिल्पा मजाक करती हैं कि उनकी टीम पंखा चलाना भूल गई, जिससे उनकी सारी मेहनत बेकार हो गई। शिल्पा ने अपने पोस्ट में रणवीर सिंह के बारे में कहा, ”/रणवीरसिंह आपका टाइम आ गया३ सहज अभिनय, फिर भी किरदार में एकदम फिट।“ उन्होंने अक्षय खन्ना की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए लिखा, ”रुअक्षयखन्ना, ओएमजी ३ ऑरा मैक्स.“ शिल्पा ने आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त की भी तारीफ करते हुए लिखा, ”/एक्टरमैडी, आपसे बेहतर कोई नहीं कर सकता था. /रामपाल 72, एक अद्भुत कलाकार. /दत्तसंजय, हमेशा की तरह रॉकस्टार.“शिल्पा ने गौरव गेरा, मानव गोहिल और राकेश बेदी की सराहना करते हुए, कलाकारों की टीम को एकजुट करने के लिए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा को श्रेय दिया। उन्होंने फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर और संगीत की भी तारीफ करते हुए कहा कि यह इस समय उनकी पसंदीदा प्लेलिस्ट है। निर्देशक आदित्य धर की प्रशंसा करते हुए शिल्पा ने कहा, ”और /आदित्यधरफिल्म्स, आप सचमुच एक दूरदर्शी हैं। आपने लंबे समय में देखी गई सबसे देशभक्तिपूर्ण फिल्मों में से एक बनाई है।धुरंधर की पूरी टीम को सलाम। बता दें, देश में धमाल मचा रही धुरंधर में रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना के अलावा संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल अहम भूमिका में नजर आए हैं।

ऋतिक रोशन का धमाकेदार डांसः कजिन की शादी में बेटों संग ‘इश्क तेरा तड़पावे’ पर मचाया धमाल

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन हाल ही में 23 दिसंबर, 2025 को मुंबई में अपने कज़िन ईशान रोशन की शादी में शामिल हुए। वह अपने पिता राकेश रोशन और बेटों, हरेहान और हृदान के साथ–साथ परिवार के अन्य सदस्यों के साथ इवेंट में पहुंचे। शादी की रस्मों का आनंद लेते हुए उनके कई वीडियो ऑनलाइन वायरल हो गए हैं। अब वायरल हो रहे क्लिप्स में, ऋतिक अपने बेटों के साथ आते और बारात में शामिल होते दिख रहे हैं, जो वेन्यू की ओर जा रही है। वह अपने बेटों के साथ पॉपुलर गाने ‘इश्क तेरा तड़पावे’ पर डांस भी करते हैं। बता दें कि ऋतिक रोशन के कज़िन ईशान रोशन ने मुंबई में एक पारंपरिक शादी समारोह में ऐश्वर्या सिंह से शादी की। इसके अलावा, ऋतिक रोशन का हरेहान, हृदान और सबा के साथ मशहूर गाने श्इश्क तेरा तड़पावेश पर डांस करते हुए एक वीडियो भी फैंस का ध्यान खींच रहा है। इस ग्रुप डांस में ऋतिक की भतीजी सुरानिका और कज़िन पश्मीना भी शामिल हुईं। परफॉर्मेंस पर रिएक्शन देते हुए, एक एक्स यूज़र ने लिखा, ऋतिक रोशन के बच्चों को सारी अच्छी चीजें विरासत में मिली हैं। दूसरे ने लिखा, खुशी का यह एहसास, जब भी मैं इस आदमी को नाचते हुए देखता हूं, पिछले 25 सालों से वैसा ही है। वीडियो में, ऋतिक एथनिक आउटफिट पहने हुए और वेन्यू में एंट्री करते समय पैपराज़ी के लिए पोज़ देते हुए दिख रहे हैं। वह ढोल की धुन पर डांस करते और अपने परिवार के साथ शादी की रस्मों का आनंद लेते हुए भी दिख रहे हैं। मंगलवार को, फिल्ममेकर राकेश रोशन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शादी से एक फैमिली पिक्चर शेयर की, जिसमें उन्होंने नए शादीशुदा जोड़े को बधाई दी। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, ष्ईशान रोशन वेड्स ऐश्वर्या आशीर्वाद और भगवान भला करे! वर्क फ्रंट की बात करें तो, 51 साल के एक्टर ऋतिक रोशन आखिरी बार अयान मुखर्जी की एक्शन थ्रिलर श्वॉर 2श में जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी के साथ नज़र आए थे। IMDb पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वह अगली बार अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू ‘कृष 4’ में नज़र आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में डिटेल्स अभी सामने नहीं आई हैं।

अब बिना इजाजत कोई नहीं कर पाएगा आर माधवन की तस्वीर, नाम और आवाज का इस्तेमाल, दिल्ली एचसी ने लगाई रोक

बॉलीवुड एक्टर आर. माधवन पिछले दिनों अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए कोर्ट पहुंचे थे। वहीं हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक्टर की याचिका को लेकर एक महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया है। कोर्ट ने उनके नाम, तस्वीर, आवाज, शक्ल–सूरत और पहचान से जुड़े किसी भी तत्व के व्यावसायिक दुरुपयोग पर सख्त रोक लगा दी है। अदालत ने साफ कहा है कि आर. माधवन की तस्वीर या चेहरे का इस्तेमाल कर किसी भी तरह का कमर्शियल प्रोडक्ट बेचना या प्रमोशन करना गैरकानूनी होगा। इसके अलावा सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद अश्लील, डीपफेक और एआई तकनीक से बनाए गए फर्जी वीडियो, ऑडियो या अन्य कंटेंट को तुरंत हटाने का भी निर्देश दिया गया है। अभिनेता की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट में सीनियर एडवोकेट स्वाति सुकुमार ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने आर. माधवन की पहचान का गलत इस्तेमाल करते हुए फर्जी वीडियो, ट्रेलर और आपत्तिजनक सामग्री तैयार की, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। याचिका में यह भी कहा गया कि कोर्ट आने से पहले संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से इस तरह के कंटेंट को हटाने का अनुरोध किया गया था, लेकिन पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन आपत्तिजनक या फर्जी सामग्री हटवाना चाहता है, तो उसे पहले संबंधित डिजिटल प्लेटफॉर्म से संपर्क करना चाहिए। इसके बाद भी समस्या बनी रहे तो अदालत का रुख किया जा सकता है। जस्टिस अरोड़ा ने कुछ पक्षकारों के खिलाफ मर्चेंडाइज बिक्री पर रोक लगाई और अश्लीलता से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई के संकेत भी दिए।

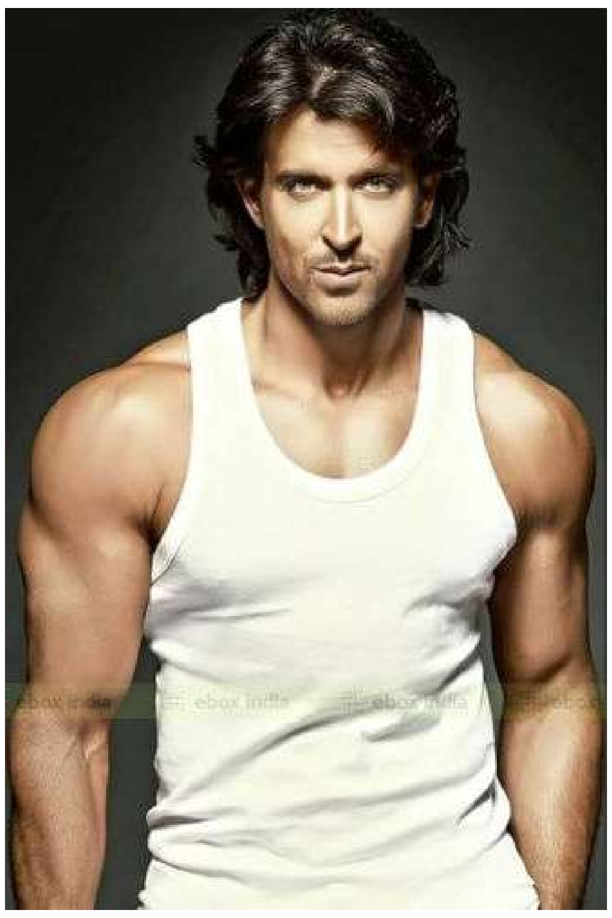

Lipstick लगाने से पहले यह 1 चीज लगा लें, सर्दियों में नहीं फटेंगे होंठ

सर्दियों के मौसम में फटे और रूखे होंठ आम समस्या बन जाते हैं। कई बार बार–बार लिप बाम लगाने के बावजूद भी होंठ ड्राई ही रहते हैं। ऐसे में लिपस्टिक लगाने से पहले एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना एक असरदार नेचुरल उपाय है। एलोवेरा होंठों को गहराई से नमी देता है और उन्हें तुरंत सॉफ्ट, स्मूद, गुलाबी और हेल्दी बनाने में मदद करता है।

सर्दियों में होंठों का फटना सबसे बड़ी समस्या है। ड्राई और फटे होंठों पर फेवरेट लिपस्टिक भी फीकी, पैची और असमान नजर आने लगती हैं। अक्सर दिन भर लिप बाम लगाने के बावजूद भी होठों में नमी वापस नहीं आती है। जिसके बाद ज्यादातर लोग चिंतित हो जाते हैं कि इस समस्या का क्या करें। अब आपको चिंता नहीं करनी है। क्योंकि इसका समाधान आपके घर के किचन गार्डन में ही मौजूद है। अब आप एक आसान, नेचुरल और असरदार तरीके से होंठों को तुरंत सॉफ्ट, स्मूद और हेल्दी बना सकते हैं। ऐसा करने से आपके होंठ फटेंगे भी नहीं। अब आप लिपस्टिक लगाने से पहले बस इस टिप्स को जरुर फॉलो करें।

लिपस्टिक लगाने से पहले लगाएं एलोवेरा जेल

अगर आप चाहती हैं कि आपकी लिपस्टिक घंटों तक बेदाग बनी रहे और आपके होंठों की कोमलता भी बरकरार रहे, तो एक छोटा सा बदलाव बड़ा असर दिखा सकता है। लिपस्टिक लगाने से ठीक पहले अपने होंठों पर थोड़ा सा एलोवेरा जेल लगाएं। एलोवेरा के प्राकृतिक गुण न केवल होंठों को गहराई से हाइड्रेट करते हैं, बल्कि उन्हें फटने से भी बचाते हैं। यह एक बेहतरीन शलिप प्राइमरश की तरह काम करता है, जिससे लिपस्टिक एक समान फैलती है और लंबे समय तक टिकी रहती है।

आप चाहे तो नाइट स्किन केयर रुटीन में इसका इस्तेमाल करना होंठों को फटने से बचाने का सबसे अच्छा तरीका है। यदि आपके होंठ दर्द कर रहे हैं या फटे हुए हैं, तो एलोवेरा जेल किसी जादू से काम नहीं है। बता दें कि, यह डैमेज स्किन टिश्यु को रिपेयर करता है। रात को सोने से पहले शुद्ध एलोवेरा जेल की थोड़ी मात्रा जरुर लगाएं।

एलोवेरा होंठों के लिए फायदेमंद क्यों है?

– एलोवेरा त्वचा की नमी को बनाए रखता है। इसमें विटामिन A, E, और C जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो होंठों को स्मूथ और हेल्दी बनाते हैं।

– यह ड्राईनेस से आराम पहुंचाता है, क्योंकि इसमें म्यूकोपॉलीसेकेराइड्स होते हैं, जो नमी को त्वचा से बांधते हैं, जिससे ड्राई होंठ को तुरत नमी और पोषण प्रदान होता है।

सूखी हुई तुलसी को हरा-भरा कैसे करें? सर्दियों में पानी डालने से पहले मिट्टी में डालें ये सफेद चीज

सर्दियों का मौसम तुलसी के पौधे के लिए थोड़ा मुश्किल माना जाता है। इस दौरान अगर सही देखभाल न की जाए, तो तुलसी के पत्ते सूखने लगते हैं, ग्रोथ रुक जाती है और पौधा धीरे–धीरे खराब हो सकता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी का सूख जाना अशुभ माना जाता है, इसलिए इसकी सही देखभाल करना बहुत जरूरी होता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ पानी डालने से तुलसी हरी–भरी रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं है। सर्दियों में तुलसी को खास पोषण और सही तरीके की देखभाल की जरूरत होती है। अगर आपकी तुलसी भी सूखने लगी है, तो पानी डालने से पहले मिट्टी में एक खास सफेद चीज डालने से पौधा फिर से हरा–भरा हो सकता है।

तुलसी के पौधे को हरा–भरा करने के लिए क्या करें?

अगर आप चाहते हैं कि तुलसी का पौधा लंबे समय तक हरा–भरा और स्वस्थ रहे, तो उसमें लगने वाली मंजरी (फूलों की डंडी) को समय–समय पर तोड़ते रहें। दरअसल, मंजरी पर बीज बनने लगते हैं, जिससे पौधे की उम्र कम हो जाती है। मंजरी हटाने से पौधे की ऊर्जा पत्तियों और नई शाखाओं की ग्रोथ में लगती है, जिससे तुलसी घनी और मजबूत बनती है।

तुलसी को सूखने से बचाने के लिए मिट्टी में डालें ये सफेद चीज

तुलसी के पौधे को पोषण देने के लिए आप मिट्टी में एप्सम सॉल्ट या चूना डाल सकते हैं। ये दोनों चीजें मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने और जड़ों को मजबूत करने में मदद करती हैं। ध्यान रखें कि चूने का इस्तेमाल हमेशा गोबर की खाद या जैविक खाद के साथ ही करें, ताकि सर्दियों में पौधे को कोई नुकसान न हो और ग्रोथ सही बनी रहे।

चूना पाउडर का सही इस्तेमाल कैसे करें?

बुवाई से पहले मिट्टी में मिलाएंः तुलसी लगाने या गमले की मिट्टी तैयार करते समय चूना पाउडर डालना अच्छा माना जाता है। चूने को मिट्टी में अच्छी तरह मिलाकर ऊपर की लगभग 6 इंच परत तक डालें।

छिड़काव के रूप में करें इस्तेमालः चूने को पानी में घोलकर उसका हल्का घोल तैयार करें और पत्तियों पर स्प्रे करें। इससे पौधा कीटों और फंगस से सुरक्षित रहता है।

तुलसी के पौधे की देखभाल के जरूरी टिप्स

तुलसी की पत्तियों को नियमित रूप से तोड़ते रहें, इससे पौधा झाड़ीदार और घना बनता है।

मिट्टी को हल्का नम बनाए रखें और मौसम के अनुसार हर 1/2 दिन में पानी दें।

तुलसी के पौधे को रोज कम से कम 6 घंटे धूप में रखें।

धूप के बाद पौधे को खुली और हवादार जगह पर रखें।

तुलसी को कभी भी बंद कमरे या बहुत छोटी जगह में न रखें, उसे खुली जगह पसंद होती है।

सर्दियों में तुलसी की सही देखभाल बेहद जरूरी होती है। सिर्फ पानी डालना काफी नहीं है, बल्कि मिट्टी को सही पोषण देना भी जरूरी है। अगर आप पानी डालने से पहले मिट्टी में एप्सम सॉल्ट या चूना सही तरीके से इस्तेमाल करते हैं, तो सूखी हुई तुलसी भी दोबारा हरी–भरी हो सकती है।

कच्चा चुकंदर खाने से किन लोगों को करना चाहिए परहेज!

चुकंदर स्वास्थ्य के लिए कई फायदे वाला सुपरफूड माना जाता है। यह शरीर में ऊर्जा बढ़ाने, ब्लड प्रेशर नियंत्रित करने और हृदय स्वास्थ्य सुधारने में मदद करता है। कच्चा चुकंदर खाने का चलन हाल के समय में बढ़ा है, क्योंकि इसमें विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कच्चा चुकंदर हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं होता? कुछ लोग इसे खाने से नुकसान भी उठा सकते हैं। आइए जानते हैं कि किन लोगों को कच्चा चुकंदर खाने से बचना चाहिए।

किन लोगों को कच्चा चुकंदर नहीं खाना चाहिए?

किडनी स्टोन या किडनी की समस्या वाले लोग

कच्चे चुकंदर में ऑक्सालेट्स पाए जाते हैं, जो मूत्र में क्रिस्टल बनाकर किडनी स्टोन का कारण बन सकते हैं। इसलिए जिन लोगों को पहले से किडनी स्टोन या मूत्र संबंधी समस्या है, उन्हें कच्चा चुकंदर खाने से बचना चाहिए।

ब्लड प्रेशर बहुत कम होने वाले लोग

चुकंदर खाने से ब्लड प्रेशर कम हो सकता है। अगर किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर पहले से ही कम है, तो कच्चा चुकंदर खाने से चक्कर आना या कमजोरी जैसी समस्या हो सकती है।

पेट संबंधी समस्या वाले लोग

कच्चा चुकंदर में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। पेट कमजोर या गैस, अपच, एसिडिटी जैसी समस्या वाले लोगों को कच्चा चुकंदर सीमित मात्रा में या पका हुआ ही खाना चाहिए, वरना पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है।

ब्लीडिंग डिसऑर्डर वाले लोग

कच्चे चुकंदर में विटामिन K होता है, जो ब्लड क्लॉटिंग पर असर डाल सकता है। अगर किसी व्यक्ति को ब्लीडिंग डिसऑर्डर या ब्लड थिनर दवा चल रही है, तो उसे कच्चा चुकंदर खाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

एलर्जी वाले लोग

कच्चा चुकंदर खाने से कभी–कभी एलर्जी या त्वचा पर रैश की समस्या हो सकती है। अगर किसी को पहले कभी चुकंदर खाने से एलर्जी हुई हो, तो उन्हें इसे खाने से पूरी तरह बचना चाहिए।

सही तरीके से कच्चा चुकंदर कैसे खाएं?

थोड़ी मात्रा में शुरू करेः शुरुआत में छोटे टुकड़े या जूस बनाकर खाएं।

साफ और धोकर इस्तेमाल करेंः चुकंदर को अच्छी तरह धोकर छीलें और काटें।

पकाकर खाना सुरक्षितः अगर किडनी या पेट की समस्या है, तो हल्का उबाल कर खाएं।

डॉक्टर से सलाह लेंः अगर कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो चुकंदर खाने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें।

कच्चा चुकंदर स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, लेकिन यह हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं है। किडनी की समस्या, कम ब्लड प्रेशर, पेट संबंधी परेशानी, ब्लीडिंग डिसऑर्डर और एलर्जी वाले लोग इसे सीमित मात्रा में या पका हुआ ही खाएं। सही मात्रा और तरीका अपनाकर चुकंदर का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकता है।

नींद नहीं आती? दूध में मिलाकर पिएं ये चीज, डॉक्टर ने कहा आएगी गहरी नींद

अगर आपको भी रात में नींद नहीं आती, बार–बार करवट बदलते रहते हैं या आधी रात में आंख खुल जाती है, तो यह समस्या इंसोमनिया की ओर इशारा कर सकती है। अच्छी नींद न आने से थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव और कई स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक डॉक्टर ने एक आसान और असरदार घरेलू उपाय बताया है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है।

नींद लाने में मदद करेगा खसखस

आयुर्वेदिक डॉक्टर के अनुसार, अगर नींद आने में परेशानी हो रही है तो खसखस का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

कैसे करें इस्तेमाल?

1 चम्मच खसखस लें।

इसे 1 कप दूध में उबाल लें।

रात को सोने से पहले गुनगुना दूध पी लें।

क्यों फायदेमंद है खसखस?

खसखस में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है।

मैग्नीशियम दिमाग को शांत करता है।

तनाव कम करता है।

स्लीप क्वालिटी सुधारने में मदद करता है।

नियमित रूप से सीमित मात्रा में इसका सेवन करने से गहरी और सुकून भरी नींद आने लगती है।

खसखस के अन्य फायदे

खसखस सिर्फ नींद ही नहीं, बल्कि सेहत और खूबसूरती के लिए भी लाभकारी है।

त्वचा के लिए फायदे

खसखस को दूध में पीसकर चेहरे पर लगाने से

स्किन में नमी आती है

चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है।

बालों के लिए फायदे

खसखस को पीसकर बालों में लगाने से।

डैंड्रफ की समस्या कम होती है।

हफ्ते में 2 बार इस्तेमाल से अच्छे नतीजे मिलते हैं।

नींद नहीं आती तो क्या करें?

अगर आपको लंबे समय से नींद की समस्या है, तो ये घरेलू उपाय भी मदद कर सकते हैं।

ग्लाइसीन से भरपूर फूड्स

ग्लाइसीन से भरपूर फूड्स नींद लाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ग्लाइसीन एक ऐसा अमीनो एसिड है जो दिमाग को शांत करने और शरीर को रिलैक्स करने में मदद करता है, जिससे जल्दी नींद आने लगती है और नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। पालक, अंडा, मछली और पत्तागोभी जैसे खाद्य पदार्थ ग्लाइसीन के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। इन चीजों को रोजाना के आहार में शामिल करने से अनिद्रा की समस्या कम हो सकती है और गहरी, सुकून भरी नींद आने में मदद मिलती है।

कार्बोहाइड्रेट्स युक्त आहार

कार्बोहाइड्रेट्स युक्त आहार भी अच्छी नींद के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। ओटमील, आलू, कॉर्न और दालों जैसे खाद्य पदार्थ शरीर में ऊर्जा का संतुलन बनाए रखते हैं और दिमाग को रिलैक्स करने में मदद करते हैं। इनमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट्स सेरोटोनिन हार्मोन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं, जिससे मन शांत रहता है और रात में आसानी से नींद आने लगती है। सोने से कुछ समय पहले हल्का और संतुलित कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन नींद की गुणवत्ता को बेहतर बना सकता है।

मेलाटॉनिन वाले फूड्स

मेलाटॉनिन वाले फूड्स नींद की समस्या को दूर करने में अहम भूमिका निभाते हैं। मेलाटॉनिन को नींद का हार्मोन कहा जाता है, जो शरीर की स्लीप साइकिल को नियंत्रित करता है और सही समय पर नींद आने में मदद करता है। अंडा, चेरी और गोजी बेरीज मेलाटॉनिन के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। इन खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन करने से रात में नींद आने में होने वाली परेशानी कम होती है और नींद की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है।

दूध का सेवन

दूध का सेवन भी अच्छी और गहरी नींद के लिए एक पुराना और असरदार घरेलू उपाय माना जाता है। सोने से पहले एक कप गर्म दूध पीने से शरीर और दिमाग दोनों को आराम मिलता है। अगर दूध में थोड़ा सा घी या 2 काजू मिलाकर पिया जाए, तो इसका असर और भी बढ़ जाता है। दूध में मौजूद ट्रिप्टोफैन और कैल्शियम नींद लाने में मदद करते हैं, जिससे तनाव कम होता है और सुकून भरी नींद आती है।

कीवी

कीवी भी नींद की गुणवत्ता बेहतर करने में मददगार फल माना जाता है। रात को सोने से पहले 2 कीवी खाने से शरीर को एंटी–ऑक्सीडेंट्स और सेरोटोनिन मिलते हैं, जो दिमाग को शांत करने में सहायक होते हैं। कीवी का नियमित सेवन स्लीप साइकिल को संतुलित करता है, जिससे जल्दी नींद आने लगती है और नींद गहरी व सुकून भरी होती है।

मैग्नीशियम युक्त फूड्स

मैग्नीशियम युक्त फूड्स नींद न आने की समस्या में काफी फायदेमंद होते हैं। मैग्नीशियम एक जरूरी मिनरल है, जो मांसपेशियों को रिलैक्स करता है और दिमाग के तनाव को कम करने में मदद करता है। केला, एवोकाडो और डार्क चॉकलेट मैग्नीशियम के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। इन खाद्य पदार्थों का संतुलित मात्रा में सेवन करने से घबराहट और बेचैनी कम होती है, जिससे रात में गहरी और आरामदायक नींद आने में मदद मिलती है। अगर नींद न आने की समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो किसी डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। घरेलू उपाय सहायक हैं, लेकिन इलाज का विकल्प नहीं।

संक्षिप्त

RBI नकदी बढ़ाने को दो लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करेगा

भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि वह बैंकों में नकदी बढ़ाने के लिए दो लाख करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करेगा। साथ ही 10 अरब अमेरिकी डॉलर की डॉलर–रुपया अदला–बदली नीलामी आयोजित करेगा। ओएमओ (खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद–बिक्री) के तहत ये खरीद और अदला–बदली नीलामी 29 दिसंबर, 2025 से 22 जनवरी, 2026 के बीच आयोजित की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि वह नकदी और बाजार की बदलती परिस्थितियों पर लगातार नजर रखेगा और सुचारू तरलता सुनिश्चित करने के लिए जरूरत के मुताबिक कदम उठाएगा। यह घोषणा रिजर्व बैंक द्वारा भारत सरकार की प्रतिभूतियों की एक लाख करोड़ रुपये की ओएमओ खरीद नीलामी और तीन साल की अवधि के लिए पांच अरब अमेरिकी डॉलर के डॉलर/रुपया खरीद/बिक्री अदला–बदली नीलामी आयोजित करने के कुछ दिनों बाद आई है। मौजूदा तरलता और वित्तीय स्थितियों की समीक्षा के बाद, केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने के लिए ओएमओ और स्वैप संचालन आयोजित करने का निर्णय लिया है। भारत सरकार की प्रतिभूतियों की कुल 2,00,000 करोड़ रुपये की ओएमओ के जरिये खरीद नीलामी 50,000 करोड़ रुपये की चार किस्तों में 29 दिसंबर, 2025, 5 जनवरी, 12 जनवरी और 22 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाएगी। आरबीआई ने कहा, ''तीन साल की अवधि के लिए 10 अरब अमेरिकी डॉलर की डॉलर/रुपया खरीद/बिक्री अदला–बदली नीलामी 13 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाएगी।'' यह अदला–बदली रिजर्व बैंक की ओर से एक साधारण खरीद/बिक्री विदेशी मुद्रा अदला–बदली है। एक बैंक रिजर्व बैंक को अमेरिकी डॉलर बेचेगा और साथ ही अदला–बदली अवधि के अंत में उतनी ही मात्रा में अमेरिकी डॉलर खरीदने के लिए सहमत होगा।

रुपया शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 89.51 प्रति डॉलर पर

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.51 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बाजारों के लिए करीब तीन लाख करोड़ रुपये की पर्याप्त नकदी की घोषणा के बाद रुपये ने मजबूत शुरुआत की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.56 पर खुला। फिर थोड़ा मजबूत होकर 89.51 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 89.65 तक भी पहुंचा। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.63 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.87 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 63.82 अंक चढ़कर 85,588.66 अंक पर जबकि निफ्टी 32.80 अंक की बढ़त के साथ 26,209.95 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.39 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,794.80 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सोना 138676 रुपये तो चांदी 223887 पर पहुंची, घरेलू–वैश्विक बाजार में बने रिकॉर्ड

नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने–चांदी की कीमतों ने नया रिकॉर्ड बना लिया है। बुधवार को वायदा कारोबार में सोना 10 ग्राम के भाव 1,38,676 रुपये तक पहुंच गया, जबकि वैश्विक बाजार में इसकी कीमत 4,500 डॉलर प्रति औंस के पार निकल गई। निवेशकों की नजरें अमेरिका में मौद्रिक नीति में और नरमी की उम्मीदों और बढ़ते भू–राजनीतिक तनावों पर टिकी हैं। तीसरे लगातार सत्र में तेजी दिखाते हुए फरवरी डिलीवरी वाला सोना एमसीएक्स पर 791 रुपये या 0.57 फीसदी चढ़कर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 1,38,676 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। चांदी ने भी तेजी का सिलसिला जारी रखा। मार्च 2026 के अनुबंध वाली चांदी चौथे दिन भी चढ़ी और 4,234 रुपये या 1.93 फीसदी की छलांग लगाकर 2,23,887 रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई।

वैश्विक बाजारों में भी उछाल

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव चौथे दिन चढ़े और 49.4 डॉलर या 1.10 फीसदी की बढ़त के साथ 4,555.1 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गए। वहीं, चांदी का मार्च 2026 कॉन्ट्रैक्ट 1.61 डॉलर या 2.23 फीसदी चढ़कर 72.75 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

क्या कह रहे हैं विशेषज्ञ?

रिलायंस सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी ने कहा कि सोने में यह उछाल अमेरिका के फेडरल रिजर्व द्वारा आगे भी ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद और बढ़ते भू–राजनीतिक तनावों की वजह से आया है। विश्लेषकों का मानना है कि कमजोर होता अमेरिकी डॉलर, लगातार वैश्विक अनिश्चितता और गोल्ड ईटीएफ में मजबूत निवेश प्रवाह ने सोने को एक बार फिर सुरक्षित निवेश के तौर पर मजबूत बनाया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड 4,500 डॉलर के ऊपर निकल गया है, जबकि घरेलू बाजार में कीमतें 1,40,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास पहुंच गई हैं।

1979 के बाद सबसे बड़ी सालाना तेजी की ओर सोना

जानकारों के मुताबिक, 2025 में सोने की कीमतों में करीब 70 फीसदी की बढ़त देखी जा रही है, जो 1979 के बाद की सबसे मजबूत सालाना तेजी मानी जा रही है। आर्थिक अनिश्चितता और वैश्विक तनाव बने रहने की स्थिति में कीमती धातुओं में यह मजबूती आगे भी जारी रहने की उम्मीद जताई जा रही है।

15 साल बाद टूर्नामेंट में वापसी कर रहे कोहली ने बनाए 131 रन, हिटमैन ने तूफानी 155 रन जड़े

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए बुधवार, 24 दिसंबर का दिन खास बन गया है। टीम इंडिया के दो सबसे बड़े सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा एक बार फिर घरेलू क्रिकेट में खेलते नजर आए। दोनों दिग्गज विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में अपनी–अपनी टीमों के लिए मैदान पर उतरे और बल्ले से जलवा बिखेरा है। विराट कोहली दिल्ली की ओर से आंध्र प्रदेश के खिलाफ शतक जड़ा, जबकि रोहित शर्मा ने मुंबई की जर्सी में सिक्किम के खिलाफ तूफानी शतक लगाया।

दिल्ली बनाम आंध्र प्रदेश: कोहली की आक्रामक बल्लेबाजी

दिल्ली और आंध्र प्रदेश के बीच मुकाबला बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जा रहा है। दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। विराट कोहली दिल्ली टीम का हिस्सा हैं, जबकि कप्तानी की जिम्मेदारी ऋषभ पंत संभाल रहे हैं। यह मुकाबला पहले बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होना था, लेकिन अंतिम समय में वेन्यू बदल दिया गया। कोहली की घरेलू क्रिकेट में मौजूदगी से युवा खिलाड़ियों को काफी प्रेरणा मिल रही है। आंध्र प्रदेश ने 50 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 298 रन बनाए।

जवाब में दिल्ली की बल्लेबाजी जारी है। खबर लिखे जाने तक दिल्ली ने 28 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 225 रन बना लिए हैं। 15 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी कर रहे किंग कोहली ने 84 गेंद में शतक जड़ा। वह 101 गेंद में 14 चौके और तीन छक्के की मदद से 131 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 129.70 का रहा। कोहली ने पिछली बार 2009/10 सत्र में हिस्सा लिया था। इसके अलावा प्रियांश आर्या ने 44 गेंद में सात चौके और पांच छक्कों की मदद से 74 रन की पारी खेली। फिलहाल नीतीश राणा और कप्तान ऋषभ पंत क्रीज पर हैं।

दिल्ली (प्लेइंग XI): अर्पित राणा, प्रियंश आर्या, विराट कोहली, नीतीश राणा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), आयुष बदोनी, सिमरजीत सिंह, हर्ष त्यागी, ईशांत शर्मा, प्रिंस यादव, नवदीप सैनी।

रोहित शर्मा के तूफानी शतक से मुंबई ने सिक्किम को हराया

मुंबई और सिक्किम के बीच मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में सिक्किम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। रोहित शर्मा मुंबई टीम का हिस्सा हैं, जबकि कप्तानी शार्दुल ठाकुर कर रहे हैं। रोहित लंबे समय बाद घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं और फैंस को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद है। सिक्किम ने 50 ओवर में सात विकेट पर 236 रन बनाए।

जवाब में मुंबई ने 30.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 62 गेंद में आठ चौके और आठ छक्के की मदद से शतक लगाया। इसके बाद 91 गेंद में 150 रन पूरे किए। वह 94 गेंद में 18 चौके और नौ छक्कों की मदद से 155 रन बनाकर आउट हुए। अंगकृष रघुवंशी ने 58 गेंद में 38 रन की पारी खेली। वहीं, मुशीर खान 26 गेंद में 27 रन और सरफराज खान पांच गेंद में आठ रन बनाकर नाबाद रहे।

मुंबई (प्लेइंग XI): रोहित शर्मा, अंगकृष रघुवंशी, सरफराज खान, सिद्धेश लाड, मुशीर खान, हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, शार्दुल ठाकुर (कप्तान), तुषार देशपांडे, सिल्वेस्टर डी'सूजा।

घरेलू क्रिकेट में क्यों उतरे विराट और रोहित?

बीसीसीआई ने इस सीजन से सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों के लिए कम से कम दो घरेलू मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। इसी नियम के तहत विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। आमतौर पर इंटरनेशनल क्रिकेट तक सीमित रहने वाले ये दोनों खिलाड़ी अब घरेलू मंच पर युवाओं के साथ खेलते दिख रहे हैं, जो फैंस के लिए एक दुर्लभ और खास मौका है।

कोहली ने की सचिन की बराबरी

विराट कोहली ने घरेलू क्रिकेट में वापसी करते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। वह सचिन तेंदुलकर के बाद लिस्ट–ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए। कोहली ने 343 मैचों में यह आंकड़ा हासिल किया। इसके साथ ही वह दुनिया के कुल नौवें बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने लिस्ट–ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरे किए हैं। खास बात यह है कि इस क्लब में शामिल सभी खिलाड़ियों में विराट कोहली का बल्लेबाजी औसत सबसे ज्यादा है, जो 50 ओवर के प्रारूप में उनकी निरंतरता और लंबे समय तक शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।

एक घंटे भी नहीं रह पाया वैभव का रिकॉर्ड :

विजय हजारे में छाए बिहारी, गनी ने 32 तो किशन ने 33 गेंद में जड़ा शतक

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी 2025 का पहला दिन, यानी 24 दिसंबर भारतीय घरेलू क्रिकेट के इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इस दिन तीन बिहारियों का जलवा देखने को मिला और कुछ ही घंटों के भीतर एक के बाद एक रिकॉर्ड टूटते चले गए। एक ही दिन में वैभव सूर्यवंशी, सकीबुल गनी और ईशान किशन के बल्ले से निकली इन पारियों ने विजय हजारे ट्रॉफी को रिकॉर्ड्स का अखाड़ा बना दिया है। सकीबुल बिहार टीम के कप्तान हैं, जबकि वैभव बिहार के ओपनर हैं। ईशान झारखंड से खेलते हैं, लेकिन उनका परिवार बिहार में रहता है और वह बिहार से हैं।

वैभव के बाद गनी का तूफान

पहले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 36 गेंदों में शतक लगाकर विजय हजारे ट्रॉफी और लिस्ट–ए में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बने, लेकिन उनका यह रिकॉर्ड एक घंटे भी टिक नहीं पाया। बिहार के कप्तान सकीबुल गनी ने उसी मैच में उससे भी तेज बल्लेबाजी करते हुए केवल 32 गेंदों में शतक जड़ दिया और लिस्ट–ए क्रिकेट में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक अपने नाम कर लिया। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ इस मुकाबले में बिहार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ऐसा तूफान मचाया, जिसे रोक पाना विपक्षी गेंदबाजों के लिए नामुमकिन हो गया।

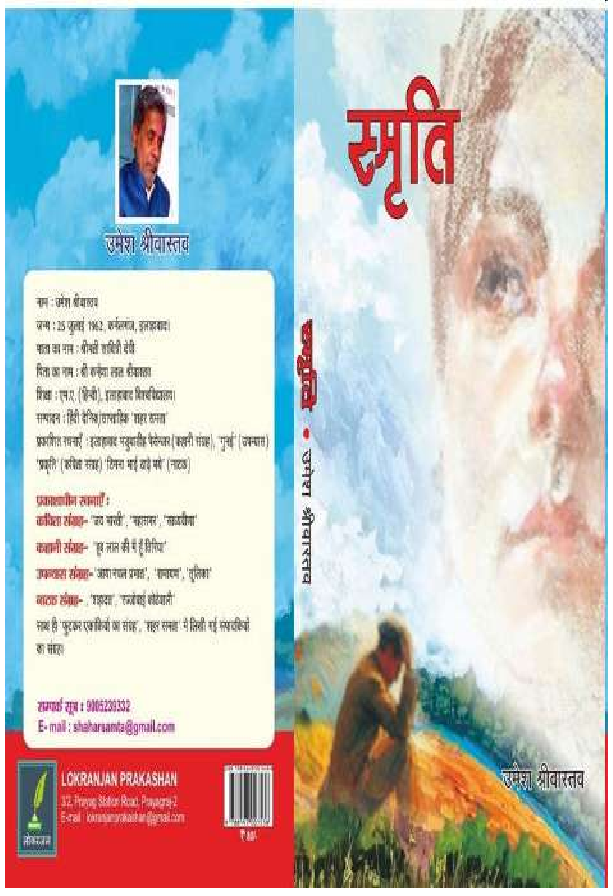

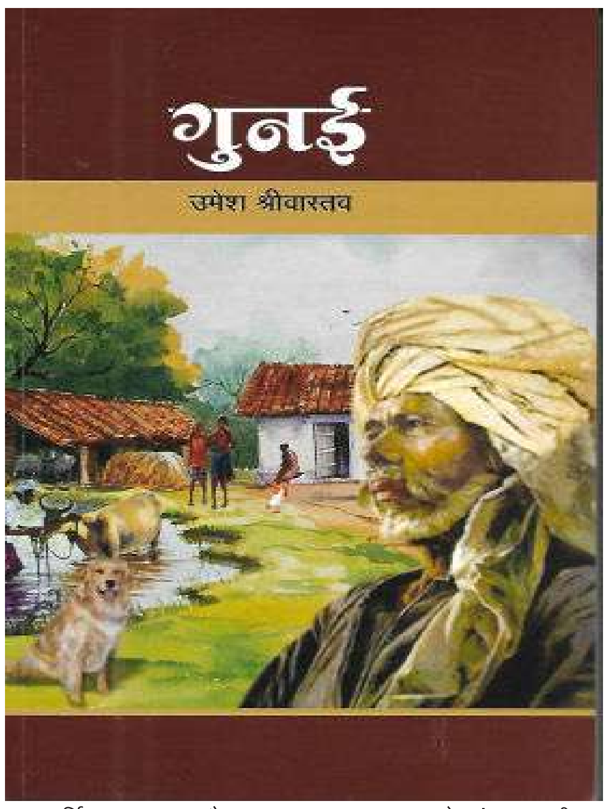

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

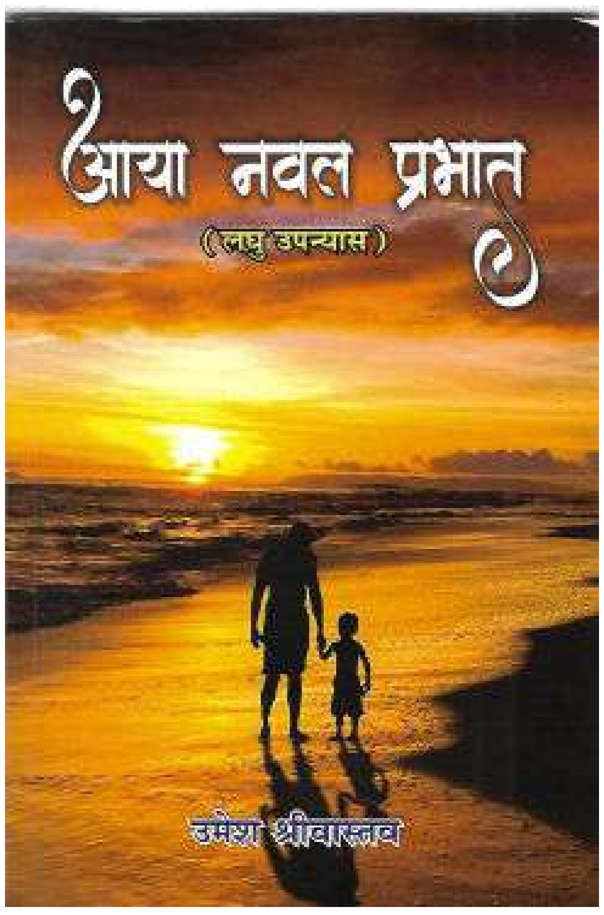

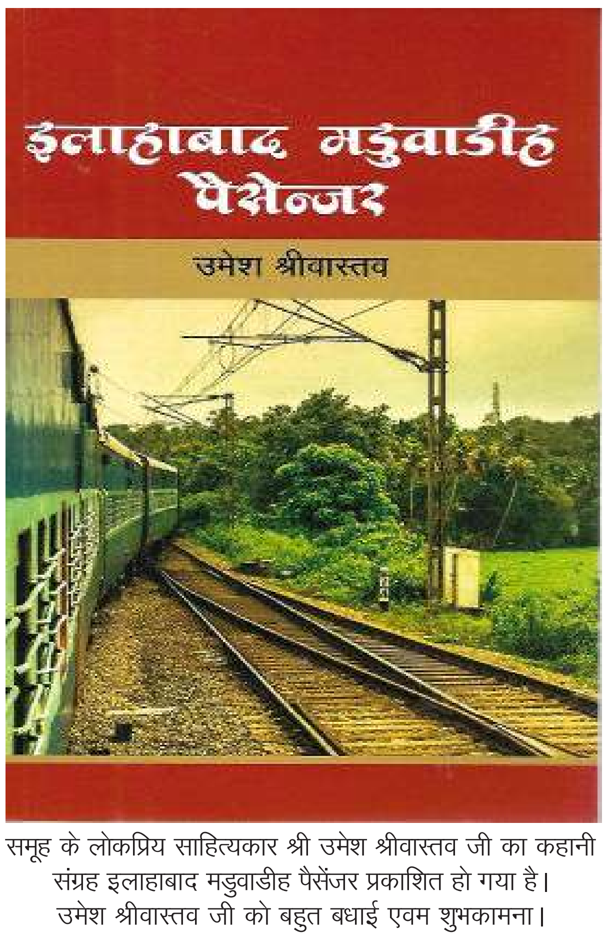

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

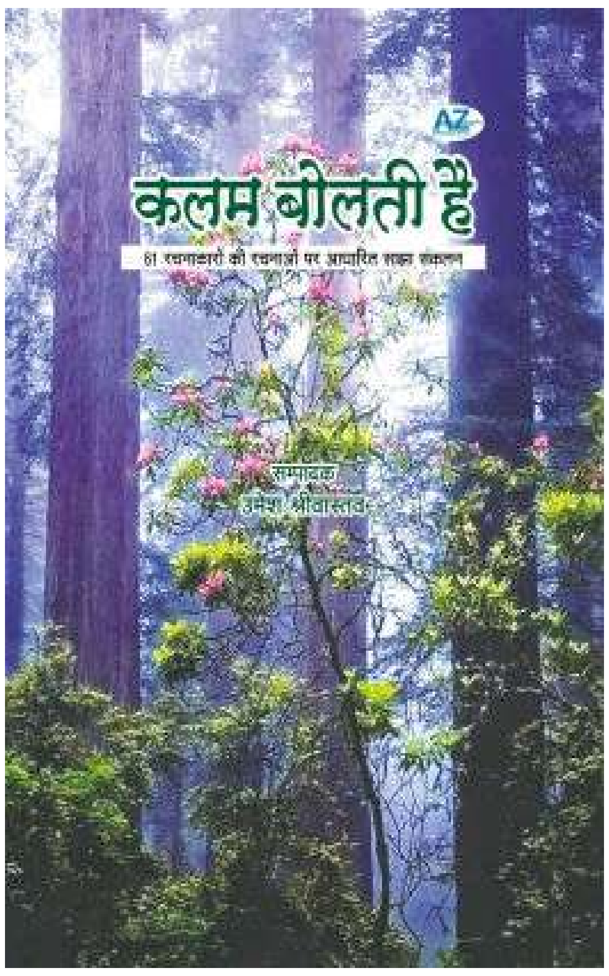

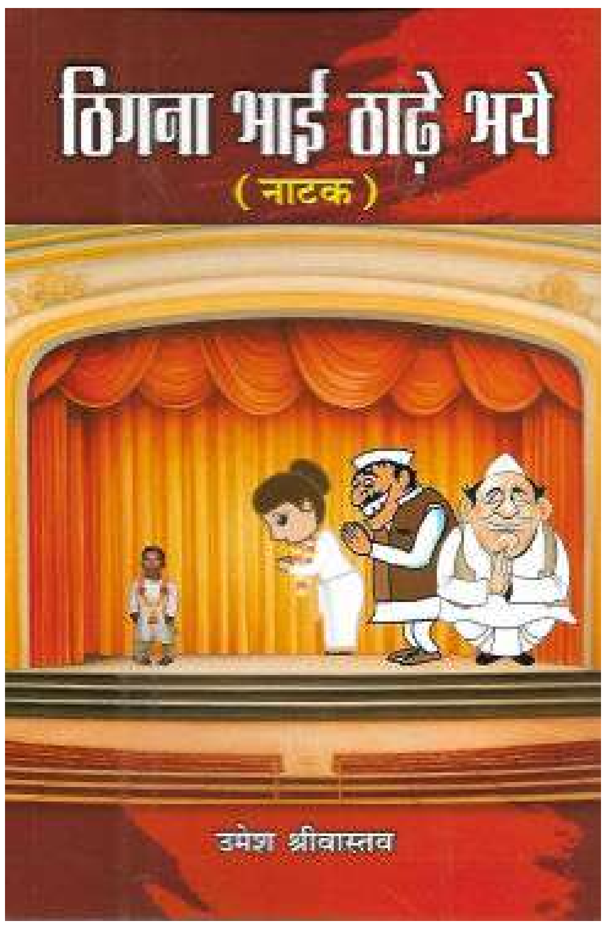

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में नर्सिंग होम में विस्फोट होने से दो लोगों की मौत

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में स्थित एक नर्सिंग होम में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी, इमारत का एक हिस्सा ढह गया और आग लगने के बाद कई लोग अंदर फंस गए। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने विस्फोट के कई घंटे बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कम से कम दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह विस्फोट ब्रिस्टल टाउनशिप में स्थित 'ब्रिस्टल हेल्थ एंड रिहैब सेंटर' में हुआ। घटना उस

समय हुई जब कर्मचारियों का एक दल गैस रिसाव की जांच के लिए मौके पर मौजूद था। हालांकि, कई घंटे बाद भी विस्फोट का कारण स्पष्ट नहीं हुआ और न ही हताहतों की सटीक संख्या सामने आई है। नर्सिंग होम से काले धुएं का बड़ा गुबार उठा। आपातकालीन कर्मी, दमकल गाड़ियां और एंबुलेंस वहां पहुंचीं। बक्स काउंटी के आपातकालीन प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि उन्हें दोपहर लगभग दो बजकर 17 मिनट पर विस्फोट की सूचना मिली। पेंसिल्वेनिया आपातकाल प्रबंधन एजेंसी की प्रवक्ता रूथ मिलर ने कहा कि उनकी एजेंसी को बताया गया है कि कुछ लोग इमारत का एक हिस्सा ढहने के कारण अंदर फंसे हुए हैं। घटनास्थल के पास रहने वाले एक व्यक्ति विली टाय ने कहा कि वह अपने घर पर टीवी पर बास्केटबॉल मैच देख रहे थे तभी उन्होंने ''ज़ोरदार धमाके'' की आवाज सुना और जब वह बाहर देखने गए तो उन्होंने ''हर तरफ आग'' देखी और लोगों को इमारत से बाहर निकलते हुए देखा। विस्फोट का कारण स्पष्ट नहीं है। स्थानीय गैस कंपनी पीईसीओ ने कहा कि उसके दल नर्सिंग होम में गैस रिसाव की गंध आने की शिकायत पर दोपहर दो बजे के बाद वहां पहुंचे थे। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''जब हमारे दल मौके पर थे, तभी नर्सिंग होम में विस्फोट हो गया।'' यह नर्सिंग होम फिलाडेल्फिया से लगभग 32 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है।

अमेरिका में एक बंदूकधारी ने पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या की

अमेरिका के विलमिंग्टन शहर में मोटर वाहन विभाग (डीएमवी) के भीतर एक बंदूकधारी ने डेलवेयर राज्य के पुलिसकर्मी (ट्रूपर) की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बंदूकधारी ने पहले पुलिसकर्मी पर गोली चलायी जिसके बाद घायल पुलिसकर्मी ने पास खड़े एक कर्मचारी को सुरक्षित स्थान पर धकेल दिया। इसके बाद हमलावर ने उस पर दोबारा गोली चलायी जिससे उसकी मौत हो गयी। इसके बाद एक अन्य पुलिस अधिकारी ने हमलावर को गोली मारकर ढेर कर दिया। राज्य पुलिस ने मंगलवार रात एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिसकर्मी 'रिसेप्शन डेस्क' पर ड्यूटी पर था तभी 44 वर्षीय हमलावर अंदर आया, उसके पास पहुंचा और उस पर गोली चला दी। मृतक पुलिसकर्मी की पहचान अभी उजागर नहीं की गयी है। हमलावर और पुलिसकर्मी दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। राज्य पुलिस के कर्नल विलियम डी. क्रॉटी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने एक भाई, एक बेटा, एक सबसे अच्छा दोस्त, एक कोच, एक पति और एक पिता खो दिया है। उनके अंतिम कार्य एक नायक जैसे थे- एक ऐसे नायक के, जिसने आज दूसरों की जान बचाई और इसके लिए अपनी जान कुर्बान कर दी।'' डेलवेयर के डीएमवी ने पूरे राज्य में अपने कार्यालयों को बंद कर दिया है।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीय को किया गया गिरफ्तार

अमेरिकी सीमा गश्ती दल के अधिकारियों ने अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने पिछले सप्ताह एक बयान में बताया कि कैलिफोर्निया के एल सेंट्रो सेक्टर में सीमा गश्ती के कई एजेंट ने आव्रजन चौकियों पर वाहनों को रोककर और अंतर-एजेंसी अभियानों के दौरान ऐसे कई अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया जिनके पास वाणिज्यिक वाहन चलाने के लाइसेंस थे। अधिकारियों ने 23 नवंबर से 12 दिसंबर के बीच अंतरराज्यीय मार्गों पर वाणिज्यिक चालक लाइसेंस के साथ सेमीट्रक चला रहे 42 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में से 30 भारत से, दो अल साल्वाडोर से और शेष चीन, इरिट्रिया, हैती, होंडुरस, मैक्सिको, रूस, सोमालिया, तुर्किये और यूक्रेन से हैं।

कनाडा में भारतीय महिला की हत्या, संदिग्ध की तलाश

कनाडा के टोरंटो में 30 वर्षीय एक भारतीय महिला की हत्या कर दी गयी है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और यह हत्या के एक संदिग्ध की तलाश की जा रही है। टोरंटो पुलिस द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है। सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मृतका की पहचान हिमांशी खुराना के रूप में हुई है। 'कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन' (सीबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस को शनिवार को एक घर में लापता महिला की लाश मिली। स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके में एक दिन पहले उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करायी गयी थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

हमारी मिसाइलें दूर नहीं...बांग्लादेश तनाव में कूदा पाकिस्तान, भारत को दे दी धमकी

भारत संयम, रणनीति और मजबूती के साथ दक्षिण एशिया में स्थिरता बनाए रखने की कोशिश कर रहा। बांग्लादेश में जारी हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल और अब इसी तनाव के बीच पाकिस्तान भी कूद पड़ा और भारत को एक बार फिर धमकी देने की कोशिश की गई। भारत बांग्लादेश तनाव के बीच पाकिस्तान से भारत के खिलाफ एक और भड़काऊ बयान सामने आ गया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग यानी पीएमएल के यूथ विंग के अध्यक्ष कामरान सैयद उस्मानी ने भारत को खुली धमकी दे दी है। हालांकि जानकारों का मानना है कि यह धमकी से ज्यादा एक गीदड़ फपकी है जिसका मकसद सिर्फ बयानबाजी और सुर्खियां बटोरना है। पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टी के एक वरिष्ठ युवा नेता ने भारत को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर बांग्लादेश की संप्रभुता को खतरा हुआ तो सैन्य कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग के युवा विंग के प्रमुख कामरान सईद उस्मानी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि ढाका के खिलाफ नई दिल्ली का कोई भी कदम इस्लामाबाद की ओर से जवाबी कार्रवाई को उकसाएगा। उन्होंने कहा अगर भारत बांग्लादेश की स्वायत्तता पर हमला करता है, अगर कोई भी बांग्लादेश की ओर बुरी नजर डालने की हिम्मत करता है, तो याद रखें कि पाकिस्तान के लोग, पाकिस्तानी सशस्त्र बल और हमारी मिसाइलें दूर नहीं हैं। उस्मानी ने दावा किया कि मुस्लिम युवा इस क्षेत्र में भारत की साजिशों को लेकर सतर्क हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये षडयंत्र कई रूप लेते हैं, चाहे वह बांग्लादेश के जलक्षेत्र को काटना हो, चाहे राजद्रोह हो, चाहे एक मुसलमान को दूसरे मुसलमान से लड़वाना हो। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान बांग्लादेश पर भारत की अखंड भारत विचारधारा थोपने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध करेगा। इसके अलावा, बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पदभार संभालने के बाद से आपसी सहयोग बढ़ाने और व्यापार और व्यावसायिक संभावनाओं का पता लगाने के लिए पाकिस्तान के साथ संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया है। यूनुस ने कहा कि वे हमेशा से ही घनिष्ठ संबंधों के पक्षधर रहे हैं और उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और पाकिस्तान को दोनों देशों के बीच युवाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अधिक आदान-प्रदान करना चाहिए ताकि लोगों के बीच संबंध मजबूत हो सकें। नवगठित राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) के नेता हसनत अब्दुल्ला ने पिछले सप्ताह ढाका में एक रैली में भारत को धमकी देते हुए कहा में भारत से स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यदि आप उन ताकतों को शरण देते हैं जो बांग्लादेश की संप्रभुता, क्षमता, मतदान के अधिकार और मानवाधिकारों का सम्मान नहीं करती हैं, तो बांग्लादेश जवाब देगा। अगर भारत ने बांग्लादेश की संप्रभुता पर पूरी नजर डाली तो पाकिस्तान अपनी सेना और मिसाइलों से जवाब देगा। पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन अगर एक साथ आ जाएं तो भारत को घेरा जा सकता है। यानी एक भारत को घेरने के लिए तीन देश यानी कि भारत इन तीनों पर अकेले भारी है। यहां तक कि उस्मानी ने एक तथाकथित रोड मैप भी बताया कि पाकिस्तान पश्चिम से दबाव बनाए। बांग्लादेश पूर्व से और चीन, अरुणाचल और लद्दाख पर फोकस करें। वैसे यह बयान जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। ये बयान घरेलू राजनीति और सस्त लोकप्रियता के अलावा कुछ भी नहीं है। अब जब पड़ोसी में हालात बिगड़े तो पाकिस्तान जैसे देश बहती गंगा में हाथ धोने की कोशिश करते हैं।

ये तो मनमानी हो गई...भारत के खिलाफ रोते हुए शिकायत लिए WTO पहुंचा चीन

भारत की शिकायत करने एक बार फिर से चीन डब्ल्यूटीओ पहुंच चुका है। डब्ल्यूटीओ में उसने भारत पर मनमाने रवैया करने का आरोप लगाया है और यह पहली बार नहीं है। दूसरी बार इस मामले को लेकर चीन डब्ल्यूटीओ के दरवाजे तक गया है। भारत हमेशा ही अपनी नीति को लेकर स्पष्ट है और अपने हितों को सुरक्षा करना जानता है। चीन ने भारत के खिलाफ दरअसल विश्व व्यापार संगठन जिसे हम डब्ल्यूटीओ कहते हैं उसमें एक बार फिर शिकायत की है। ड्रैगन ने एक याचिका दायर की है जिसमें भारत पर उसने गंभीर आरोप लगाए। चीन ने डब्ल्यूटीओ से भारत के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ और सौर क्षेत्र में दी जाने वाली सब्सिडी को लेकर यह शिकायत की और बातचीत के लिए अनुरोध किया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के बयान के मुताबिक भारत का यह कदम डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ है जिसमें राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत शामिल है। इसमें आयात पर सब्सिडी नहीं है। चीन का कहना है कि भारत ऐसी सब्सिडी दे रहा है जो डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ है। चीन ने आरोप लगाया कि भारत के इस कदम से उसके घरेलू उद्योगों को अनुचित लाभ मिल रहा है। इससे चीन के आर्थिक हितों का नुकसान होता है। चीन की कीमत पर भारत के घरेलू उद्योग को लाभ पहुंचाते हैं जो डब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन है। इन आरोपों के साथ ही चीन ने भारत के से जो है डब्ल्यूटीओ प्रतिबद्धताओं का पालन करने और इसमें सुधार करने की अपील की है। दरअसल चीन ने यह पहली बार नहीं किया। इसके पहले भी साल 2025 में ही भारत के खिलाफ विश्व व्यापार संगठन में चीन की एक याचिका पड़ चुकी है। इससे पहले इसी साल अक्टूबर में चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों बैटरी के क्षेत्र में दी जाने वाली सब्सिडी को लेकर भारत के खिलाफ इसी तरह की शिकायत दायर की। पिछली शिकायत में तर्क दिया कि ईवी और बैटरी के लिए भारत की सब्सिडी चीनी बाजार के हितों को नुकसान पहुंचाती है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए डब्ल्यूटीओ से परामर्श का अनुरोध किया जाए। यह पहली बार नहीं है। चीन हमेशा इस तरह से रोता रहता है कि हमको फायदा नहीं हो रहा है। भारत अपनी नीति अपने देश के लोगों के लिए बना रहा है। चीन ने पहले भी इस्पात और एलुमिनियम पर लगाए गए टैरिफ को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ और चीनी उत्पादों पर लगाए गए एंटी डंपिंग शुल्क के लेकर यूरोपीय संघ के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की। यह उदाहरण विश्व व्यापार संगठन के तहत अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौताओं का उल्लंघन करने वाली व्यापरिक प्रथाओं को चुनौती देने के चीन के निरंतर प्रयासों को उजागर करता है।

यूनुस भारत के साथ संबंध सुधारने के लिए काम कर रहे हैं, तनावपूर्ण संबंधों के बीच बांग्लादेश के वित्त सलाहकार

बांग्लादेश के साथ पिछले काफी समय से रिश्ते काफी चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहे हैं। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से ही भारत के खिलाफ बांग्लादेश में माहौल बना हुआ है। मोहम्मद यूनुस सरकार बनने के दौरान हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी रही है। लेकिन अब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के वित्त सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने मंगलवार को कहा कि मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने नयी दिल्ली के साथ तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के लिए कदम उठाए हैं और उनका प्रशासन आर्थिक हितों को

''राजनीतिक बयानबाजी'' से अलग रखते हुए भारत के साथ आर्थिक संबंध विकसित करने पर काम कर रहा है। अहमद ने अपने कार्यालय में सरकार की खरीद संबंधी सलाहकार परिषद समिति की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मुख्य सलाहकार भारत के साथ कूटनीतिक संबंध सुधारने पर काम कर रहे हैं और वह स्वयं भी इस विषय पर विभिन्न संबंधित पक्षों से बात कर रहे हैं।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या यूनुस ने भारत से सीधे बात की है तो अहमद ने कहा कि मुख्य सलाहकार ने ''नहीं'' की लेकिन उन्होंने इस मामले से जुड़े लोगों से बात की है। उन्होंने कहा, ''हमारी व्यापार नीति राजनीतिक विचारों से संचालित नहीं होती। यदि भारत से चावल आयात करना वियतनाम या कहीं और से मंगाने की तुलना में सस्ता है तो आर्थिक रूप से यही तर्कसंगत है कि हम यह मुख्य खाद्यान्न भारत से खरीदें।'' अहमद ने आशा जताई कि द्विपक्षीय संबंध और खराब नहीं होंगे। अहमद ने कहा कि बांग्लादेश ने ''अच्छे संबंध बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए'' भारत से 50,000 टन चावल खरीदने के एक प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि इस चावल का आयात बांग्लादेश के लिए लाभकारी होगा क्योंकि भारत के बजाय वियतनाम से चावल मंगाने पर प्रति किलोग्राम 10 बांग्लादेशी टका (0.082 अमेरिकी डॉलर) अधिक खर्च आएगा। अहमद की टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं जब कूटनीतिक विश्लेषकों ने कहा है कि भारत एवं बांग्लादेश के संबंध 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे के दूतों को तलब किया है तथा दोनों देशों की राजधानियों एवं अन्य स्थानों पर बांग्लादेशी और भारतीय मिशनों के सामने विरोध-प्रदर्शन हुए हैं। इसके बावजूद सलाहकार ने कहा, ''स्थिति इतनी बुरी अवस्था तक नहीं पहुंची है।'' अहमद ने कहा, ''बाहर से देखने पर ऐसा लग सकता है कि बहुत कुछ हो रहा है... हालांकि, कुछ बयान ऐसे होते हैं जिन्हें रोकना कठिन होता है।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या ''लोग या बाहरी ताकतें'' भारत-विरोधी बयान दे रही हैं तो उन्होंने कहा, ''हम दोनों देशों के बीच कोई कड़वाहट नहीं चाहते। यदि बाहर से कोई समस्या भड़काने की कोशिश कर रहा है तो यह किसी भी देश के हित में नहीं है।'' उन्होंने साथ ही कहा कि ये घटनाएं ''राष्ट्रीय अभिव्यक्ति'' का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं बल्कि ये ''बांग्लादेश के लिए जटिल परिस्थितियां'' पैदा कर रही हैं।

हादी की हत्या और बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन

12 दिसंबर को ढाका के बिजोयनगर इलाके में कैंपेन के दौरान 32 साल के युवा नेता शरीफ उस्मान बिन हादी को अज्ञात हमलावरों ने सिर में गोली मार दी। बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट करके सिंगापुर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादी की मौत के बाद पूरे बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर अशांति फैल गई, कई इलाकों में हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, चट्टोग्राम में कथित तौर पर भारतीय असिस्टेंट हाई कमिश्नर के घर पर पत्थर फेंके गए। अशांति के बीच, बांग्लादेशी मीडिया के कुछ हिस्सों ने ऐसे दावे फैलाए कि हादी का हमलावर भारत भाग गया होगा। इन बिना पुष्टि वाले दावों ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच पहले से ही संवेदनशील संबंधों को और खराब कर दिया। कुछ इलाकों में हिंसा ने सांप्रदायिक रूप भी ले लिया। मैमनसिंह में, दीपू चंद्र दास नाम के एक हिंदू व्यक्ति को ईशनिंदा के आरोपों पर भीड़ ने हमला करके मार डाला। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस घटना के सिलसिले में कम से कम 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों से भारत में कड़ी प्रतिक्रिया हुई, जहां हिंसा की निंदा करते हुए और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किए गए।

शांति समझौते की कवायदों के बीच फंसा पेंच, इस मुद्दे पर झुकने के लिए राजी नहीं जेलेंस्की

कीव। करीब चार साल से जारी यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक अहम कूटनीतिक पहल सामने आई है। अमेरिका और यूक्रेन कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति के करीब पहुंच गए हैं, लेकिन यूक्रेन के पूर्वी इलाकों पर नियंत्रण और जापोरिजिया परमाणु बिजली संयंत्र को लेकर मतभेद अब भी बने हुए हैं। जेयह मसौदा हाल के दिनों में फ्लोरिडा में हुई लंबी बातचीत के बाद तैयार हुआ है। इस योजना को रूस के सामने रखा गया है और मॉस्को से जवाब की उम्मीद की जा रही है।

20 सूत्रीय योजना पर सहमति

जेलेंस्की ने बताया कि प्रस्तावित योजना में सुरक्षा, आर्थिक पुनर्निर्माण और राजनीतिक स्थिरता से जुड़े कई बिंदु शामिल हैं। इसमें युद्धविराम, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा गारंटी और यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को दोबारा खड़ा करने के उपायों पर सहमति बनी है। अमेरिका और यूक्रेन का मानना है कि इन कदमों से लंबे समय से जूझ रहे संघर्ष को निर्णायक मोड़ मिल सकता है।

पूर्वी क्षेत्रों पर मतभेद बरकरार

यूक्रेन के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र, जहां लंबे समय से संघर्ष चल रहा है, वहां क्षेत्रीय नियंत्रण को लेकर कोई अंतिम सहमति नहीं बन सकी है। ज़ेलेंस्की ने साफ किया कि यूक्रेन अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा।

परमाणु संयंत्र बना चुनौती

यूरोप के सबसे बड़े इस परमाणु संयंत्र की सुरक्षा और संचालन को लेकर अभी समाधान नहीं निकल पाया है। यूक्रेन चाहता है कि यह संयंत्र पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय निगरानी में रहे, ताकि किसी भी तरह का परमाणु खतरा न पैदा हो। रूस के जवाब पर टिकी निगाहें

जेलेंस्की ने कहा कि अब गेंद रूस के पाले में है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव रूसी वार्ताकारों को सौंप दिया है और जल्द ही प्रतिक्रिया आने की उम्मीद है। यदि रूस सकारात्मक रुख दिखाता है तो शांति वार्ता को आगे बढ़ाया जा सकता है, अन्यथा संघर्ष और लंबा खिंच सकता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

भारत के बयान के बाद तुरंत एक्शन में आया अमेरिका, बांग्लादेश पर जारी किया बड़ा अलर्ट

जब पड़ोस में आग लगती है तो सबसे पहले असर सरहद पर पड़ता है यानी बॉर्डर पर पड़ता है और आज दक्षिण एशिया में यही आग बांग्लादेश से उठती दिखाई दे रही है। भारत आज सिर्फ एक देश नहीं बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता की धुरी है और जब इस धुरी के आसपास कट्टरता, नफरत और हिंसा बढ़ने लगे तो पूरी दुनिया चौकन्ना हो जाती है। यही वजह है कि अब अमेरिका ने वो अलर्ट जारी कर दिया है जिसने बांग्लादेश ही नहीं बल्कि कई देशों को हिलाकर रख दिया। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने बांग्लादेश को लेकर एक गंभीर एडवाइज़री जारी कर दी है। रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि बांग्लादेश में यूनुस की अंतरिम सरकार कट्टरपंथी ताकतों को कंट्रोल करने में नाकाम होती दिख रही भारत विरोधी गतिविधियां अल्पसंख्यकों पर हमले और सड़कों पर बढ़ती उग्र भीड़ इन सब ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चिंता में डाल दिया है। इसी पृष्ठभूमि में अमेरिका की चेतावनी को बहुत गंभीर संकेत माना जा रहा है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।